A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 19 अगस्त, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 339, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

तमाम खूबियां हैं पर
बख़ान की तलाश है
हसीन लड़कियों को
कद्रदान की तलाश है
अगर मैं फूल हूं तो
फूलदान की तलाश है
बदन हूं मैं अगर तो मुझको
जान की तलाश है
मैं सबके साथ रह चुकी
तो ये पता चला मुझे
मैं ख़ुद में गुमशुदा हूं
मुझको ध्यान की तलाश है
महक से और प्यार से,
ख़याल से, दुलार से
मैं घर उसे बनाऊंगी
मकान की तलाश है
मैं शोख़ हूं शबाब हूं
वो शांत है वो शाम है
अलग-अलग सिरे हैं
दरम्यान की तलाश है
मुझे सभी ने कटघरे में
बेगुनाह कहा मगर
तुम्हारे मुंह से आए उस
बयान की तलाश है।

– आँचल सक्सेना

प्रसंगवश

क्या पीएम मोदी के आगामी अमेरिकी दौरे से रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलेगी?

कमलेश पांडे

पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बंधों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की।

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हों, या अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स, दोनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'टफ नेगोशिएटर' बताते आए हैं। इसका अभिप्राय एक ऐसे व्यक्ति से होता है जो बातचीत में आसानी से हार नहीं मानता, अपनी बात पर दृढ़ रहता है और समझौते पर पहुंचने के लिए आसानी से झुकता नहीं है।

अमेरिका को चीन के मुकाबले एक मजबूत भारत नहीं, बल्कि पिछलग्गू भारत की जरूरत है। वहीं, भारत विरोधी पाकिस्तान व बांग्लादेश को पुनः भड़काकर अमेरिकी नेताओं ने मित्रता की आड़ में जो शत्रुतापूर्ण चालें चलीं हैं, उसके भी सही जवाब का उन्हें इंतजार करना होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी आजतक किसी के चतुराई भरे व्यवहार या दुर्व्यवहार को कभी भूलते नहीं हैं और उचित वक्त आने पर सूद समेत ऐसा वापस करते हैं, जिसे दिग्गज नेता व उद्योगपति ज्यादा समझते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अच्छा लग रहा है या बुरा।

दरअसल, यह बात मैं इसलिए कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सितंबर माह में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए मित्र से शत्रु बनते जा रहे देश अमेरिका का अहम दौरा कर सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की संभावित अमेरिका यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक ऐसे समय में हो रही है जब हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध प्रभावित हुए हैं। पहले इन सम्बन्धों पर रूस-यूक्रेन की वक्र दृष्टि पड़ी और फिर भारत-पाक सीमित संघर्ष और इजरायल-ईरान युद्ध की। भारत-चीन की आंखमिचौली की बात अलग है।

गौरतलब है ऐसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने का दावा किया तो नई दिल्ली ने उनके इस दावे का खंडन कर दिया। वहीं रूस-चीन से सीधी शत्रुता मोल नहीं ली। गुटनिरपेक्ष भारत ने ग्लोबल साउथ को जो नेतृत्व दिया उससे भी विकसित देश चिढ़े हुए हैं। लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल है कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी के संभावित सितंबर अमेरिकी दौरा से आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलेगी? यदि हां तो फिर क्या इसके मायने दोनों पक्षों के लिए हितकारी साबित होंगे?

उससे भी बड़ा सवाल यह है कि आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने नवोदित पार्टनर भारत और पीएम मोदी के पीछे हाथ धोकर क्यों पड़े हुए हैं? आखिर वो क्या वजह है कि अमेरिका, अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी चीन का घोर विरोधी होने के बावजूद भी उसे अब नजरअंदाज कर रहा है, जबकि पहले सीधे टारगेट पर लिया करता था? यक्ष प्रश्न है कि भारत का नया करीबी पार्टनर होने के बावजूद अमेरिका उसे आंख क्यों दिखाता जा रहा है! क्या भारत के साथ जारी टैरिफ युद्ध सिर्फ व्यापार तक सीमित है या फिर इसका अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एजेंडा कुछ और है?

इस लिहाज से प्रासंगिक सवाल है कि क्या ट्रंप सरकार भारत के साथ अपने संबंधों में तनाव बढ़ाकर एक बड़ी वैश्विक भूल कर रही है? या फिर यूरोपीय संघ के देशों, पाकिस्तान और चीन को पुनः पटाने के लिए वह अपने पुराने ढर्रे पर जा रही है? इन सभी सवालों के उत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सितंबर अमेरिका यात्रा से मिल सकती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी के मुताबिक, यहीं पर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी से होगी, जैसा कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया है।

समझा जाता है कि भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता से 'खूनी कारोबारी' के रूप में मशहूर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के युद्धोन्मादी एशियाई सपने धरे के धरे रह गए हैं। इसलिए ट्रंप बौखलाए हुए हैं। तभी तो उन्होंने पिछले महीने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया। इसके साथ ही रूसी तेल के आयात पर 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना टैरिफ लगाकर इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। जबकि भारत सरकार ने कहा है कि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों की ओर से कई मुद्दों/मोर्चों पर बातचीत चल रही है। लिहाजा, मोदी के अमेरिका दौरे का मुख्य उद्देश्य ट्रंप से व्यापार मुद्दों पर चर्चा करना और टैरिफ समझौता करना हो सकता है।

यह भी अजीबोगरीब बात है कि भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी देश अमेरिका-चीन की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी इसी अगस्त/सितंबर माह में करने वाले हैं, जो उनका जन्म माह भी है। इसलिए करिश्माई परिणाम की उम्मीद रखी जा सकती है। वहीं, मित्र देश रूस के राष्ट्रपति नवंबर-दिसंबर में भारत आएंगे। जबकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर 21 अगस्त को रूस में अपने समकक्ष से कूटनीतिक व रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने की बात करेंगे। अक्टूबर में क्वाड सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भी भारत आने का कार्यक्रम है, लेकिन उनके बदलते वैश्विक रूख के चलते यह मामला आगे बढ़ेगा या खटाई में पड़ेगा, गुज़िश्ता वक्त बताएगा।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। जिसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे।

बताया जाता है कि इसी दिन इजरायल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष यानी पीएम और राष्ट्रपति का भी यूएनजीए की आम बहस को संबोधित करने का कार्यक्रम है। ततपश्चात इसका समापन 29 सितंबर को होगा। बताया जाता है कि इसी अमेरिकी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी से मुलाकात की संभावना है, जिसके बाद दोनों देशों के नेताओं के बीच अलग-अलग समय पर व्यापार मुद्दों और युद्ध रूकवाने पर बातचीत हो सकती है। इस बातचीत में अमेरिकी टैरिफ को लेकर पारस्परिक सहमति बनाने पर भी जोर रहेगा। बता दें कि नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका गए थे।

ऐसे में पूरक सवाल यह है कि क्या भारत से रिश्ते खराब करना ट्रंप के लिए बड़ी कूटनीतिक भूल साबित होगी? तो इसका जवाब यही होगा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला प्रतीत होता है। ट्रंफ इसके लिए बदनाम भी रहे हैं। इसलिए विशेषज्ञ बताते हैं कि इस टैरिफ बढ़ोतरी का एकमात्र उद्देश्य एक मनोनुकूल राजनीतिक एजेंडा सेट करना है, जो अंतरराष्ट्रीय पैमाने पर लड़खड़ाए अमेरिका की अब प्राथमिक ज़रूरत बन चुकी है।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में भारी बारिश, स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी

● कई इलाकों में जाम, लोकल ट्रेन और फ्लाइट्स डिले, इंदौर में बारिश से दीवार गिरी, 3 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई और आसपास के इलाकों में सोमवार सुबह से तेज बारिश जारी थी। कई इलाकों में पानी भर गया है। इसके चलते सड़कों पर लंबा जाम लगा हुआ है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने मुंबई के सभी स्कूल और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। लोगों से अपील की है कि बहुत जरूरी न हो तो घर से बाहर न निकलें।

मुंबई में मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटे बहुत ज्यादा बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश के कारण मुंबई एयरपोर्ट की कई फ्लाइट्स लेट हो गई हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 के मुताबिक, मुंबई एयरपोर्ट की फ्लाइट्स औसतन 54 मिनट देर से उड़ रही हैं।

तीन राष्ट्रीय राजमार्ग और 353 सड़कें बंद

चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत तीन राष्ट्रीय राजमार्ग और 353 सड़कें बंद हैं। दवाड़ा और जोगनी मोड़ पर लगातार भूस्खलन से बचाव कार्य बाधित है। कांगड़ा और चंबा में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की गतिविधियां कमजोर पड़ने की संभावना है, जिससे राहत मिल सकती है।

कुल्लू-मंडी में लैंडस्लाइड, शिमला में सतलुज में समाई सड़क, उत्तराखंड में गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे टूटा- हिमाचल प्रदेश में 3 दिन से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सतलुज नदी में उफान के कारण सुन्नी के ततापानी में सड़क टूटने से करसोग विधानसभा क्षेत्र का शिमला से संपर्क टूट गया है। नाचन और सराज क्षेत्र भी प्रभावित हैं। कुल्लू जिला में सैंज-औट सड़क पर सोमवार को पहाड़ी से लैंडस्लाइड के बाद क्षेत्र की 15 पंचायतों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। मंडी के झलोगी में भी दोपहर बाद पहाड़ी का बड़ा हिस्सा सड़क पर आ गया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने भाग कर जान बचाई।

मेरठ में 500 लोगों का टोल प्लाजा पर हमला

● ऑफिस, सीसीटीवी, कंप्यूटर सब तोड़ डाला, फौजी की पिटाई से भड़के थे

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में टोल पर सेना के जवान की पिटाई के 16 घंटे बाद ठाकुर समाज के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। गोटका और आसपास के गांव के 500 से ज्यादा लोग भूनी टोल पर सोमवार दोपहर 1 बजे पहुंचे। उन्होंने टोल ऑफिस में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जमकर पत्थर बरसाए। इसके बाद टोल पर ही धरने पर बैठ गए। एसपी देहात, एडीएम, एसडीएम समेत 8 थानों की पुलिस मौके पर है। पुलिस ने सेना के जवान और उसके भाई से मारपीट करने वाले 6 टोल कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। बाकी आरोपी टोलकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। वहीं, पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम भी मौके पर पहुंच गए थे।

दिल्ली- राजा गार्डन के इलेक्ट्रॉनिक्स इमारत में भीषण आग, दो युवतियों समेत तीन की मौत ; एक गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम दिल्ली के राजा गार्डन इलाके में सोमवार दोपहर 3-08 बजे महाजन इलेक्ट्रॉनिक्स की इमारत में भीषण आग लगने से दो युवतियों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य की हालत नाजुक बनी हुई है।

महाकाल की निकली राजसी सवारी, हेलिकॉप्टर से बरसे फूल

महाकाल का प्रांगण स्वर्ग लोक जैसा : सीएम डॉ. यादव

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में कड़ाबीन के उद्घोष के साथ बाबा महाकाल की राजसी सवारी निकली। सोमवार को सवारी में छह मुखारविंद शामिल थे। एक हेलिकॉप्टर से सवारी पर फूल बरसाए गए थे। सात किलोमीटर लंबे मार्ग में 10 ड्रोन से रजत पालकी पर पुष्पवर्षा हुई। 70 भजन मंडलियों के साथ साधु-संत, पुलिस बैंड, महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी और पुरोहित भी सवारी के साथ थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- बाबा महाकाल का प्रांगण स्वर्ग लोक जैसा लग रहा है। मंदिर प्रशासन ने देशभर से 10 लाख भक्तों के आने की उम्मीद जताई थी। महाकाल मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में भगवान महाकाल की छठी सवारी है। रजत पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिवतांडव, नंदी रथ पर श्री उमा-महेश, डोल रथ पर होल्कर स्टेट का मुखारबिंद और रथ पर सप्तधान मुखारबिंद शामिल रहेंगे। सवारी निकालने से पहले मंदिर में पूजन-अर्चन किया जाएगा और मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया ।

पुतिन ने पीएम मोदी से फोन पर बात की

● ट्रम्प से मुलाकात की डिटेल बताई, अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर टैरिफ लगाया

नईदिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को फोन कर बातचीत की। राष्ट्रपति पुतिन ने पिछले हफ्ते अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ हुई अपनी मुलाकात के बारे में बताया। मोदी ने बातचीत के जरिए यूक्रेन जंग का शांतिपूर्ण समाधान खोजने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत इस संबंध में सभी प्रयासों का समर्थन करता है। मोदी ने पुतिन को अलास्का में ट्रम्प के साथ उनकी बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी चर्चा की। हाल ही में अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल और हथियार खरीदने के लिए 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था। जो 27 अगस्त से लागू होगा, इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो जाएगा।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की चेतावनी

● चीन और अमेरिका से बहुत पीछे...छोटे-मोटे बदलाव से नहीं चलेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने बड़ी चेतावनी दी है। उनका मानना है कि भारत को नई पीढ़ी के सुधारों की जरूरत है। इन्हीं से बड़े आर्थिक विकास को रफ्तार दी जा सकती है। छोटे-मोटे बदलावों से वह रफ्तार नहीं मिलेगी जो भारत को चाहिए। राजन को लगता है कि भारत में नौकरशाही बहुत ज्यादा है। यह निवेश को रोक रही है। इसे थोड़ा कम करने की जरूरत है। सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में रघुराम राजन ने ये बातें कहीं। राजन के अनुसार, भारत की नौकरशाही कुछ ज्यादा ही सक्रिय है। लाल फीताशाही को थोड़ा और कम करने की जरूरत है। राज्यों और केंद्र सरकार दोनों को इस पर काम करना होगा।

नाकाफी है सुधारों की रफ्तार

राजन ने कहा कि भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। यह 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। यह जल्द ही जापान और जर्मनी से आगे निकल जाएगा। हालांकि, आकार के मामले में यह अभी भी चीन और अमेरिका से बहुत पीछे है। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत 2047 तक 50 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। राजन ने कहा कि भारत को बूढ़ा होने से पहले ऐसा करना होगा। भारत के लिए अगले कुछ सालों में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि श्रम बल में आने वाले युवाओं को कैसे रोजगार दिया जाए। राजन ने कहा कि भारत में सुधार की रफ्तार अभी काफी नहीं है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 19 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बेरोजगारी बढ़ने का यह एक बड़ा कारण !

भारत की 95 प्रतिशत सरकारी नौकरियों में बाजार से पांच गुना ज्यादा वेतन

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर कार्तिक मुरलीधरन ने कहा कि भारत में सरकारी नौकरियों का वेतन निर्धारण एक बड़ी समस्या है। डेवेलपमेंट क्षेत्र के अर्थशास्त्री कार्तिक मुरलीधरन कहा है कि भारत का सार्वजनिक क्षेत्र अत्यधिक वेतन विकृति से ग्रस्त है, जहां 95 प्रतिशत सरकारी नौकरियों में बाजार दर से पांच गुना अधिक वेतन दिया जाता है जबकि शीर्ष स्तर के निर्णयकर्ताओं को बहुत कम वेतन दिया जाता है। कोलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और अर्थशास्त्री ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में वेतन एक बड़ी समस्या है।

● ज्यादा लोगों को क्यों नहीं मिल पाती नौकरी?

बता दें कि मुरलीधरन भारत में नौकरियों के विकृत पिरामिड पर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश का उदाहरण दिया, जहां 2.3 मिलियन लोगों ने उच्च वेतन और कम कार्य अपेक्षाओं के लालच में 368 चपरासी की नौकरियों के लिए आवेदन किया था। आवेदकों में एक बड़ी संख्या पीएचडी कर चुके लोग भी थे।

उनके अनुसार यह वेतन असंतुलन चार प्रमुख प्रणालीगत विकृतियां पैदा करता है। पहला, यह बड़े पैमाने पर नियुक्तियों को रोकता है।

ट्रम्प बोले- यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन को सैन्य गठबंधन नाटो में शामिल नहीं किया जाएगा और न ही उसे 2014 से रूस के कब्जे वाला क्रीमिया वापस मिलेगा।

ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट किया कि जेलेंस्की चाहें तो रूस के साथ चल रहा युद्ध तुरंत खत्म हो सकता है। सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि जेलेंस्की लड़ाई जारी रखना चाहते हैं या शांति का रास्ता अपनाते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि 12 साल पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर में बिना

गोली चले क्रीमिया रूस को सौंप दिया गया था और यूक्रेन भी नाटो में शामिल नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं।

विपक्ष ने एनडीए उम्मीदवार का निकाल लिया तोड़

● दक्षिण भारत के डीएमके के राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा को चुनाव में उतार सकता है इंडी गठबंधन

नईदिल्ली (एजेंसी)। एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की घोषणा के बाद विपक्ष भी जल्द ही अपने उम्मीदवार का नाम घोषित कर सकता है। सूत्रों के अनुसार डीएमके के राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा विपक्ष के उम्मीदवार हो सकते हैं।

क्षेत्रीय राजनीति को ध्यान में रखते हुए विपक्ष उन्हें चुन सकता है। अंतिम फैसला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर होने वाली बैठक में लिया जाएगा।

मीडिया सूत्रों के अनुसार, विपक्ष क्षेत्रीय राजनीति को ध्यान में रखते हुए डीएमके के राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुन सकता है।

विपक्ष की बैठक में होगा उम्मीदवार पर फैसला- हालांकि, आधिकारिक उम्मीदवार की घोषणा तभी होगी जब विपक्षी दल आज शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर अपने उम्मीदवार पर फैसला लेने के लिए बैठक करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रधानमंत्री से पार्लियामेंट हाउस में मुलाकात

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से पार्लियामेंट हाउस नई दिल्ली में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात कर मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में हाल ही में होने वाले किसान सम्मेलन और भोपाल मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ करने प्रधानमंत्री श्री मोदी से आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगीकरण का वातावरण चल रहा है। इस दिशा में स्वदेशी का अभियान भी पूरे प्रदेश में चलाया जा

रहा है। आत्मनिर्भर भारत बनाने की कड़ी में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य है कि स्वदेशी अभियान के तहत गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाए जाए। इसके लिए हम सबको अधिक काम करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पिछले सवा साल से औद्योगीकरण का प्रदेश में बड़ा अभियान चलाया जा रहा है, जिसके फलस्वरुप 30 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू किए जा चुके हैं। इसमें 21 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इसी क्रम से राज्य सरकार काम करती रहेगी और निरंतर विकास की राह पर अग्रसर होती रहेगी।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ी भारी भीड़

गाड़ी में खड़े होकर किया जनता का अभिवादन

पटना (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को देखने और अभिवादन करने के लिए सड़क पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। सोमवार सुबह 8.15 बजे औरंगाबाद के कुटुंबा प्रखंड में स्थित एक खेल मैदान से राहुल गांधी ने अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन का आगाज किया।

राहुल गांधी के साथ बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के मुकेश सहनी, राजद सांसद अभय कुशवाहा और बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम सहित कई नेता चल रहे थे। इस यात्रा में राहुल गांधी एक खुली गाड़ी में खड़े हो कर सड़क के

दोनों तरफ खड़ी जनता का अभिवादन कर रहे थे। उनके पीछे राजद नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस के राजेश राम भी खुली जीप से लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे।

सूर्य मंदिर के दर्शन कर गयाजी पहुंचे राहुल

गयाजी में राहुल की यात्रा को लेकर युवाओं में क्रेज दिखा। लोग राहुल-तेजस्वी को देखने के लिए बसों की छत और पेड़ पर चढ़ गए। इस दौरान दोनों पार्टी के समर्थकों और पुलिस में हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। युवाओं का कहना है, हमलोग राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को देखने आए हैं। उनसे उम्मीद है।

सीधी में खाद नहीं मिलने पर हाईवे किया जाम

किसानों का आरोप- खाद वितरण में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही

सीधी (नप्र)। सीधी जिले के अमिलिया बाजार में सोमवार दोपहर खाद वितरण में अव्यवस्था को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में किसानों ने चक्काजाम कर जमकर हंगामा किया।

दोपहर करीब 2 बजे बड़ी संख्या में किसान अमिलिया बाजार पहुंचे और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। उनका आरोप था कि खाद वितरण में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है और उन्हें समय पर खाद नहीं मिल रही है। प्रदर्शनकारी किसानों ने समिति परिसर में भी खूब हंगामा किया।

कृषि उपसंचालक बोले- जिले में खाद की कोई कमी नहीं- किसानों के प्रदर्शन की खबर मिलते ही सिहावल एसडीएम प्रिया पाठक, थाना प्रभारी राकेश बैस और उपसंचालक कृषि

अगस्त सिंह सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने की कोशिश की। कृषि उपसंचालक अगस्त सिंह ने कहा कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है और लगातार किसानों को खाद दी जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन किसानों को हर संभव सुविधा देने के लिए गंभीर है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के जवाब पर विपक्ष का पलटवार

जवाबदेही से भाग रहा आयोग

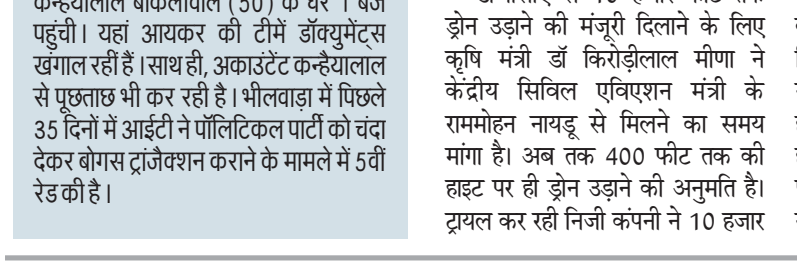

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोट चोरी और बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग के जवाब पर विपक्षी गठबंधन इंडिया ने पलटवार किया है। कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई प्रेसवार्ता में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग अपनी जवाबदेही से भाग रहा है। वहीं सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि चुनाव आयोग राहुल गांधी से बार-बार हलफनामा मांग रहा है, लेकिन हम 2018 में ही कई बार चुनाव आयोग को शिकायत के साथ हलफनामा दे चुके हैं।

● कांग्रेस नेता गोगोई

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने में असमर्थ है, अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है। महाराष्ट्र में मतदाता सूची में नाम बढ़ाए गए हैं। कर्नाटक के महादेवपुरा में मतदाता सूची में विसंगतियां हैं। जबकि वीडियो डाटा हटाने पर चुनाव आयोग चुप है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग उन अधिकारियों के हाथों में है जो विपक्ष द्वारा लगाए गए किसी भी आरोप की जांच नहीं कर रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि कल अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग (ईसी) ने राजनीतिक दलों पर सवाल उठाए, जब उन्हें यह बताना पड़ा कि वे जल्दबाजी में एसआईआर क्यों करा रहे हैं?

लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित, उच्च सदन से भारतीय पत्तन विधेयक पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा और राज्यसभा में आज भी विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया है। इसके चलते दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित हुई। विपक्ष के हंगामे के बीच सरकार ने लोकसभा में जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। इसके अलावा राज्यसभा से भारतीय पत्तन विधेयक, 2025 भी सरकार ने पारित कराया।

शुभांशु शुक्ला ने पीएम मोदी से की मुलाकात, अंतरिक्ष यात्रा के बारे में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा थे, जो 25 जून को फ्लोरिडा से रवाना हुआ और 26 जून को आईएसएस पर पहुंचा था। शुभांशु की 15 जुलाई को धरती पर वापस हुई थी। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों पैगी व्हिटसन (अमेरिका), स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की (पोलैंड) और टिबोर कापू (हंगरी) के साथ शुभांशु ने 18 दिनों के मिशन के दौरान 60 से अधिक प्रयोग और 20 आउटरीच सत्र आयोजित किए। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में जाकर इतिहास रचने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने गले लगाकर शुभांशु शुक्ला का हौसला बढ़ाया। साथ ही उनकी उपलब्धि की सराहना की। इस दौरान शुभांशु शुक्ला ने पीएम मोदी को अंतरिक्ष यात्रा और उनके अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने पीएम मोदी को अपने प्रयोगों से भी अवगत कराया।

तेजप्रताप की नई पार्टी- जनशक्ति जनता दल,2024 में बनाई थी, बांसुरी चिन्ह था, लालू के बड़े बेटे इसी से बिहार चुनाव लड़ेंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव जनशक्ति जनता दल से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। तेजप्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने 2024 में यह पार्टी बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। तब उनका चुनाव चिन्ह बांसुरी था। बालेंद्र दास अध्यक्ष और प्रशांत प्रताप राष्ट्रीय महासचिव थे। सोमवार को जनशक्ति जनता दल को चुनाव आयोग से मान्यता मिल गई है।

मुंबई-भीलवाड़ा में अकाउंटेंट पिता-पुत्र के ठिकानों पर एक साथ रेड

भीलवाड़ा (एजेंसी)। पॉलिटिकल पार्टी बनाकर राजनीतिक चंदा लेने और बोगस ट्रांजैक्शन के मामले में आयकर विभाग ने पिता-पुत्र के ठिकानों पर रेड दी है। टीम पहले बेटे आशीष बाकलीवाल के मुंबई स्थित ऑफिस पर पहुंची थी। ठीक इसी समय जयपुर और दिल्ली से आई टीमें भीलवाड़ा के अकाउंटेंट आशीष के पिता कन्हैयालाल बाकलीवाल (50) के घर 1 बजे पहुंची। यहां आयकर की टीमें डॉक्युमेंट्स खंगाल रहीं हैं। साथ ही, अकाउंटेंट कन्हैयालाल से पूछताछ भी कर रही है। भीलवाड़ा में पिछले 35 दिनों में आईटी ने पॉलिटिकल पार्टी को चंदा देकर बोगस ट्रांजैक्शन कराने के मामले में 5वीं रेड की है।

जयपुर में ड्रोन से बारिश का ट्रायल अटका

किरोड़ी सिविल एविएशन मंत्री से मिलेंगे, 15 सितंबर के बाद कृत्रिम बरसात मुश्किल

जयपुर (एजेंसी)। रामगढ़ बांध पर ड्रोन से कृत्रिम बारिश करवाने की तकनीक का ट्रायल डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन से मंजूरी के बिना अटका हुआ है।

डीजीसीए से 10 हजार फीट तक ड्रोन उड़ाने की मंजूरी दिलाने के लिए कृषि मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने केंद्रीय सिविल एविएशन मंत्री के राममोहन नायडू से मिलने का समय मांगा है। अब तक 400 फीट तक की हाइट पर ही ड्रोन उड़ाने की अनुमति है। ट्रायल कर रही निजी कंपनी ने 10 हजार फीट तक ड्रोन उड़ाने के लिए डीजीसीए से अनुमति मांग रखी है।

बादलों की हाइट 2 से 20 हजार फीट- ड्रोन से कृत्रिम बारिश का ट्रायल करने वाली निजी कंपनी जेनेक्स एआई की टीम पिछले दो सप्ताह से रामगढ़ बांध के इलाके में फील्ड में है। ड्रोन को फिलहाल 400 फीट तक ही उड़ाया जा रहा है। बादलों की ऊंचाई दो से 20 हजार फीट तक होती है। इसके लिए 10 हजार फीट तक की उंचाई पर ड्रोन उड़ाने पर ही बारिश वाले बादलों तक पहुंचा जा सकेगा।

● **इस महीने तक अनुमति नहीं मिली तो बाद में बारिश वाले बादल नहीं मिलेंगे-** राजस्थान में सितंबर में मानसून विदा हो जाता है, बारिश वाले बादल सितंबर के दूसरे सप्ताह बाद मिलने मुश्किल है। ऐसे में इस महीने तक ड्रोन को 10 हजार फीट उड़ाने की अनुमति नहीं मिली तो प्रयोग खतरे में पड़ जाएगा। बाद में बारिश वाले बादल मिलना मुश्किल हो जाएगा। इससे प्रयोग नहीं हो पाएगा। जल्द मंजूरी मिल जाए, इसीलिए कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने खुद सिविल एविएशन मंत्री से मिलने का वक्त मांगा है। इस महीने मंजूरी नहीं मिली तो इसके ट्रायल को पूरा वक्त नहीं मिलेगा। कंपनी को मंजूरी के बाद भी कई तरह के प्रयोग करने हैं। ड्रोन से कृत्रिम बारिश के लिए 60 दिन तक प्रयोग चलने हैं।

आसाराम की हालत बिगड़ी

मेडिकल जांच के लिए अहमदाबाद के सिविल अस्पताल लाया गया

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे 86 वर्षीय आसाराम की हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है। इसके चलते मेडिकल जांच के लिए उन्हें सोमवार सुबह अहमदाबाद के सिविल अस्पताल लाया गया। ओपीडी में पुलिस सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। जबकि बाहर आसाराम की निजी सुरक्षा का इंतजाम किया गया है।

भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश

खरगोन में सड़कों पर पानी भरा, वैन आधी डूबी, जबलपुर में नदी में बहा लोडिंग ऑटो

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर बना हुआ है। सोमवार को भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। खरगोन के भगवानपुरा और पीपलझोपा में रुक-रुककर हुई बारिश से नदी नाले उफना गए।

पीपलझोपा में सिरवेल मार्ग पर जलभराव की स्थिति बनी। करीब ढाई फीट पानी सड़क पर जमा हो गया। एक वैन लगभग आधी डूबी रही। कुछ घरों में पानी घुस गया। वहीं, बड़वानी के रलावती में बना सेंधवा ब्लॉक का सबसे बड़ा तालाब ओवर फ्लो होकर बह रहा है।जबलपुर में एक लोडिंग ऑटो नदी में बह गया। ट्रैक्टर की मदद से रस्सी बांधकर उसे बाहर निकाला गया।

मौसम विभाग ने आज 14 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इनमें 4 जिले- देवास, हरदा, खंडवा और बुरहानपुर में 24 घंटे के अंदर अति भारी बारिश हो सकती है।

वहीं, इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर और भोपाल संभाग के अन्य 10 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। अगले 3 दिन यहां सिस्टम की एक्टिविटी देखने को मिलेगी।

● **इंदौर-उज्जैन संभाग में ज्यादा बारिश का दौर-** मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के पश्चिम-दक्षिण हिस्से से मानसून ट्रफ गुजर रही है। वहीं, लो प्रेशर एरिया (कम दवाब का क्षेत्र) भी एक्टिव है। इस वजह से इंदौर, उज्जैन संभाग में ही ज्यादा बारिश का दौर बना हुआ है। सोमवार को खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में भारी बारिश होने का अनुमान है।

खजुराहो में हॉस्टल में छात्र की लाश मिली

शरीर पर नीले निशान मिले, एक महीने पहले एडमिशन कराया था

खजुराहो (नप्र)। खजुराहो के ज्ञान गंगा स्कूल के हॉस्टल में एक छात्र की मौत का मामला सामने आया है। छात्र के रूममेट उसे सुबह जगाने गए तो वह नहीं उठा। इसके बाद उन्होंने स्कूल मैनेजमेंट को सूचना दी। बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी परिजन और स्कूल संचालक ने थाने में दी। ग्राम गंज स्थित ज्ञान गंगा स्कूल के हॉस्टल में दूसरी क्लास के 7 वर्षीय छात्र अनुराग की मौत हुई है। बच्चे के शरीर पर नीलेपन के निशान हैं, जो आंतरिक समस्या या दम घुटने का संकेत भी हो सकता है। हो सकता है कि किसी जहरीले कीड़े ने काटा हो या फिर जहरीला पदार्थ दिया गया है। शरीर पर कोई चोट के निशान भी नहीं हैं। मौत की असल वजह पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी।

पिता बोले- हम पहुंचे तो पता चला मौत हो गई

छात्र के पिता बबलू पटेल का कहना है कि उन्होंने एक महीने पहले ही अनुराग का एडमिशन स्कूल में कराया था। स्कूल कैंपस में बने हॉस्टल में वो अन्य छात्रों के साथ रह रहा था। रविवार रात तक वो पूरी तरह से स्वस्थ था। सोमवार सुबह 6 बजे हमें स्कूल संचालक प्रमोद त्रिवेदी का कॉल आया कि बच्चे की तबीयत खराब है। जब हम यहां पहुंचे तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। उसे पहले से कोई बीमारी भी नहीं थी। पता नहीं कैसे उसकी मौत हो गई। ज्ञान गंगा स्कूल संचालक प्रमोद त्रिवेदी का कहना है कि हमारा सिर्फ स्कूल है। हम हॉस्टल नहीं चलाते। दूरदराज से आने वाले बच्चों को असुविधा न हो, इसलिए उन्हें ठहराने और खाने-पीने की व्यवस्था कर देते हैं। रात में बच्चे मस्ती कर रहे थे, लेकिन सुबह देखा तो अनुराग मृत अवस्था में मिला। त्रिवेदी ने बताया के उनके यहां करीब 45 बच्चे इस तरह रहते हैं।

पिछड़ा वर्ग छात्रावासों का हो रहा उन्नयन : श्रीमती गौर

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने भोपाल के भदभदा रोड स्थित पिछड़ा वर्ग

पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों में प्रदेश के समस्त विभागीय छात्रावासों का आदर्श छात्रावास के रूप में उन्नयन किया जाएगा। आदर्श छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण भोजन, निवास की आदर्श परिस्थितियों एवं वातावरण उपलब्ध होने के साथ आवश्यक भौतिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के 108 छात्रावास संचालित हैं। प्रथम चरण में 30 कन्या छात्रावासों का चयन किया गया है, जिनका उन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 50 सीटर इन छात्रावासों में आदर्श किचन आधुनिक मैस, रूफटॉप सोलर संयंत्र, ई-लाइब्रेरी, वाय-फाय, मनोरंजन कक्ष आदि की व्यवस्था सीएसआर मॉडल के माध्यम से की जा रही है। भोपाल के भदभदा स्थित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में भवन का उन्नयन कार्य, टॉयलेट ब्लॉक, किचन, मैस, डायनिंग हॉल, वॉश एरिया एवं छात्र-छात्राओं के कक्षाओं की आंतरिक साज-सजा का उन्नयन हो चुका है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार विद्यार्थियों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जल्द ही सभी छात्रावासों में जिम और लाइब्रेरी की सुविधा भी शुरू की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त श्री सौरभ सुमन भी उपस्थित थे।

सब इंस्पेक्टर के कपड़े फाड़े

बालाघाट में पुलिस वाहन की टक्कर से बच्चे की मौत, गुस्साए लोगों ने की तोड़फोड़

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट में तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने 8 साल के बच्चे को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। इधर, गुस्साए लोगों ने वाहन के ड्राइवर और उसमें सवार सब इंस्पेक्टर के साथ मारपीट की और उनके कपड़े फाड़ दिए।

ये घटना जिले के लांजी थाना क्षेत्र के भिमोड़ी गांव में रविवार शाम करीब 5 बजे की है। मृतक बच्चे का नाम राजकुमार गरुड़े है। उसकी मौत के बाद सोमवार को परिजन ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। प्रशासन से मुआवजे की मांग की।

इधर, हंगामे की सूचना मिलने पर विधायक राजकुमार कर्राहे, एसडीएम कमल सिंह, एसडीओपी अभिषेक और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने परिजन को समझाइश देकर प्रदर्शन खत्म कराया। मृतक राजकुमार के परिवार को अंतिम संस्कार के लिए सहायता राशि दी गई। साथ ही सरकारी योजनाओं के तहत हरसंभव आर्थिक मदद का भरोसा दिया, तब जाकर परिवार ने शव का पोस्टमॉर्ट्म कराया।

एंबुलेंस नहीं आई, वन विभाग के वाहन से ले गए अस्पताल- दरअसल, रविवार को गांव के लोग कृष्ण प्रतिमाओं का विसर्जन करने जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार पुलिस वाहन ने बालक राजकुमार को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने डायल 100 और एंबुलेंस को कई बार कॉल किया, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंचे। बाद में वन विभाग के एक वाहन से बच्चे को लांजी के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राज्यपाल मंडला में आयुष विभाग की कार्यशाला में होंगे शामिल

मंत्री इन्दर सिंह परमार भी रहेंगे उपस्थित

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 20 अगस्त को मंडला जिले के सेमर खापा में आयुष विभाग द्वारा 'परंपरागत चिकित्सा का स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान एवं सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल होंगे। कार्यशाला में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार भी शामिल होंगे। कार्यशाला में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह, पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं मंडला जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल भी उपस्थित रहेंगे।

एकदिवसीय यह कार्यशाला मंडला जिले के सेमरखापा स्थित एकलव्य विद्यालय परिसर के ऑडिटोरियम में प्रातः10.30 बजे आयोजित होगी। प्रदेश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से जनस्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने एवं क्षेत्र-विशिष्ट स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गई है।

कार्यशाला में मंडला एवं समीपवर्ती जिलों के जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया की व्यापकता एवं पारंपरिक वैद्यों की सक्रिय

कानून व्यवस्था और सिंहस्थ-28 के दृष्टिगत प्रदेश में 22500 पुलिसकर्मियों की होगी भर्ती

हर वर्ष होगी 7500 रिक्त पदों पर भर्ती

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था और सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत आगामी 3 वर्षों में पुलिस विभाग में 22500 पदों पर भर्ती की जाएगी। अभी तक पुलिस विभाग में भर्तियां कर्मचारी चयन मंडल द्वारा होती हैं। पुलिस को जल्द से जल्द मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अब मध्यप्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड का गठन किया जाएगा और यही बोर्ड पुलिस की भर्तियां करेगा। इससे पुलिस भर्ती में तेजी, पारदर्शिता और परफेक्शन आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा से युवाओं में खासा उत्साह है और वे इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि वर्ष 2025 के लिए पुलिस में स्वीकृत पदों की भर्ती 'मध्य प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड' की ओर से 'कर्मचारी चयन मंडल' करेगा। वर्ष 2026 से ये भर्तियां 'पुलिस भर्ती बोर्ड' द्वारा ही की जाएंगी। प्रतिवर्ष पुलिस के रिक्त 7500 पदों पर भर्ती की जाएगी और इस प्रकार आगामी 3 वर्ष में पुलिस विभाग के सभी रिक्त 22,500 पद भर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गृह विभाग से जुड़ी सभी सेवाओं के आधुनिकीकरण एवं भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए शीघ्र ही गृह एवं वित्त विभाग की संयुक्त बैठक कर सभी लंबित मामलों का समुचित समाधान कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस, जेल और नगर सेवा एवं सुरक्षा तीनों विभागों के शहीदों की विधवाओं और बच्चों के लिए स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रमों में विभिन्न प्राथमिकता श्रेणियां में एक अतिरिक्त सीट पर आरक्षण दिये जाने की घोषणा भी की है।

सीधी में महिला सोन नदी में कूदी... हाथ पर मेहंदी से लिखा 'प्रिया तिवारी'

सीधी (नप्र)। सीधी में एक महिला ने सोन नदी के पुल से छलांग लगा दी। इसका वीडियो सामने आया है। घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे की है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को नदी से निकाला और अस्पताल ले जाया गया। महिला के हाथ पर मेहंदी से 'प्रिया तिवारी' नाम लिखा हुआ है। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। आसपास के सभी थाना-चौकियों में उसकी तस्वीर भेजकर पहचान की कोशिश की जा रही है।

करीब 50 फीट की ऊंचाई से कूदी- महिला ने सोन नदी पर बन रहे नए जोगदहा पुल से कूदकर खुदकुशी की कोशिश की। वहां मौजूद किसी शख्स ने इसका वीडियो बना लिया। वीडियो में दिख रहा है कि महिला काफी देर तक पुल की रेलिंग पर खड़ी रही। फिर अचानक नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की सहायता से महिला को नदी से निकाला गया। उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमिलिया ले जाया गया। महिला की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

महिला के सिर और मुंह पर गंभीर चोट- महिला नदी में जिस जगह कूदी, वहां लगभग 2 फीट पानी था। बाकी आसपास चट्टानें थीं।

मेहंदी से हाथ पर 'प्रिया तिवारी' नाम लिखा

महिला के हाथ पर मेहंदी से 'प्रिया तिवारी' लिखा हुआ मिला है। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। आसपास के सभी थाना-चौकियों में उसकी तस्वीर भेजकर पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

महिला को रोकने की कोशिश की, लेकिन नहीं सुनी- जोगदह पुल सीधी जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर है। निर्माणाधीन होने के कारण पुल पर आवागमन बंद है। इसका उद्घाटन भी नहीं हुआ है। घटनास्थल से करीब 300 मीटर दूर शनि देव का मंदिर है। वहां मौजूद किसी शख्स ने इसका वीडियो बनाया। उसने महिला को पुल पर चढ़ते हुए देखा जो कूदने का प्रयास कर रही थी।

वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने महिला को रोकने की कोशिश भी की। वीडियो में साफ तौर पर सुना जा सकता है कि महिला को रोकने का प्रयास कर रहा है, लेकिन उसे बचा नहीं पाया। हालांकि, पुलिस अभी उस शख्स की पहचान नहीं कर पाई है, लेकिन कई सोशल मीडिया पर ये वीडियो जमकर शेयर किया जा रहा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों में 26 ओबीसी, 27 सामान्य

14 प्रतिशत आदिवासी, 11 फीसदी दलितों को जिम्मेदारी मिली; दिग्गजों के घर जश्न नहीं, सन्नाटा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने संगठन में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व ओबीसी वर्ग को दिया है। 36 प्रतिशत यानी 26 जिलों में ओबीसी नेताओं को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके बाद 38 प्रतिशत (27 जिलों) में सामान्य वर्ग के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। अनुसूचित जनजाति वर्ग को 14 प्रतिशत (10 जिलों) और अनुसूचित जाति वर्ग को 11 प्रतिशत (8 जिलों) में अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मुस्लिम वर्ग को मात्र 3त्न यानी सिर्फ 2 जिलों में कमान सौंपी गई है।

जिलाध्यक्ष बने दिग्गजों के यहां नहीं दिखा जश्न

कांग्रेस ने पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, जयवर्धन सिंह, ओमकार सिंह मरकाम जैसे दिग्गजों और महेश परमार, देवेंद्र पटेल जैसे विधायकों को अध्यक्ष बनाया लेकिन, इनके जिलों में जिलाध्यक्ष बनने की कोई खास खुशी कार्यकर्ताओं में नजर नहीं आई।

राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के सीनियर नेताओं को जिलाध्यक्ष बनाए जाने से कार्यकर्ताओं में खासी नाराजगी देखने को मिली। जिलाध्यक्ष बने नेता अपने कार्यकर्ताओं को समझाने में जुटे रहे।

भोपाल में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ने किया विरोध-प्रदर्शन- भोपाल में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर परिसर में गांधी प्रतिमा के पास पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया।

उन्होंने हाल में जिला अध्यक्ष बनाए गए प्रवीण सक्सेना और उनके बड़े भाई संजीव सक्सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है पैसे के लालच में प्रवीण सक्सेना को फिर से जिला अध्यक्ष बना दिया है। उन्होंने कहा है अगर जल्द ही हमारे साथ न्याय नहीं हुआ तो हम खून से लेटर लिखकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजेंगे।

भोपाल शहर से निकाले गये पुराने मीटरों में विद्युत चोरी के 2 हजार से अधिक प्रकरण

आरोपी उपभोक्ताओं ने जमा किये 2 करोड़ 19 लाख

भोपाल(नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युतम वितरण कंपनी द्वारा भोपाल शहर में स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान उपभोक्ता परिसरों से निकाले गये पुराने मीटरों की एनएबीएल लैब में चैकिंग के दौरान चौकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। उपभोक्ताओं के परिसर से निकाले गये ऐसे पुराने मीटरों में तकनीकी खराबी कर रेजिस्टेंस या अन्य छेड़छाड़ की गड़बड़ी के 2 हजार 40 मामले पकड़े गये हैं। इन गड़बड़ी वाले आरोपी उपभोक्ताओं पर कंपनी द्वारा 4 करोड़ 19 लाख से अधिक की बिलिंग की गई है, जिसमें से एक हजार 219 मामलों में उपभोक्ताओं द्वारा मीटर में गड़बड़ी की बात स्वीकार कर 2 करोड़ 19 लाख से अधिक की राशि कंपनी के खाते में जमा करायी गई है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख 35 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिये गये हैं। स्मार्ट मीटर की स्थापना के दौरान कंपनी द्वारा पुराने मीटरों को बदला जा रहा है और उपभोक्ता परिसरों में नये स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा रहे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इन मामलों से सिद्ध हो गया है कि स्मार्ट मीटर प्रभावी है और उसके द्वारा दर्ज खपत भी सटीक है।

जेपी में तैयार होंगे विशेषज्ञ, देश का पहला जिला अस्पताल बनेगा

● डॉक्टरों की कमी दूर करने 3 विभागों में डीएनबी कोर्स, सोमवार को हुआ निरीक्षण

भोपाल (नप्र)। मरीजों के इलाज के साथ अब जेपी अस्पताल में विशेषज्ञ भी तैयार होंगे। प्रबंधन के अनुसार, 2 वर्षीय पोस्ट-डिप्लोमा डीएनबी प्रोग्राम के बाद 3 वर्षीय डीएनबी पाठ्यक्रम संचालित करने वाला जेपी देश का पहला जिला अस्पताल बनने जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को पेडियाट्रिक, इंटरनल मेडिसिन और जनरल सर्जरी विभागों का निरीक्षण हुआ।

एएफएमसी से आए डॉ. संतोष सिंह ने सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक टीचिंग फैकल्टी, ओटी, वार्ड, कौशल लैब और लाइब्रेरी आदि का मूल्यांकन किया। निरीक्षण अनुमोदित होते ही इस सेशन से तीनों कोर्स में 4-4 सीटों पर एडमिशन शुरू हो सकेंगे। जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि हमने डीएनबी कोर्स के लिए आवेदन किया था। केंद्र की मान्यता टीम ने पर्याप्त व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। टीम, हमारी तैयारियों से संतुष्ट दिखी, उम्मीद है अनुमति मिल जाएगी। इसके लिए हम पिछले साल से तैयारी कर रहे थे।

संपादकीय

अब राधाकृष्णन पर दांव!

भाजपा और एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के लिए तमिलनाडु के सी. पी.राधाकृष्णन का नाम घोषित कर पहले ही बाजी जीत ली है। अगर वोटिंग हुआ तो उनकी जीत तय है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस राजनीतिक दांव ने तमिलनाडु जरूर खलबली मचा दी है और राज्य में सत्तारूढ़ विपक्षी द्रविड मुन्नेत्र कडघम (डीएमके) को जरूर मुश्किल में डाल दिया है। कुछ ऐसी ही उलझन महाराष्ट्र में विपक्ष में बैठी उद्धव सेना के सामने भी है। क्योंकि सी.पी. राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। बहरहाल, इसे भाजपा का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। क्योंकि इससे विपक्षी इंडिया गठबंधन सकते में हैं। लिहाजा राधाकृष्णन का नाम घोषित होने के एक दिन बाद भी विपक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यूं बचपन से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पाठशाला में दीक्षित और पीएच डी. तक शिक्षित सी.पी. राधाकृष्णन कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी ताकत उनका निर्विवाद होना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने जब उनके नाम की घोषणा की तो इसके पूर्व चल रहे सभी नामों की अटकलों पर विराम लग गया। जबकि राधाकृष्णन का नाम सोशल मीडिया पर भी चर्चा में खास नहीं था। नड्डा ने कहा कि यह फैसला पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में संसदीय बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया है। गौरतलब है कि चंद्रपुरम पोन्नुसामी (सी पी) राधाकृष्णन बीजेपी के पूर्व वरिष्ठ नेता हैं और लंबे समय तक संगठन में सक्रिय रहे हैं। वे दो बार कोयम्बटूर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं और पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष पद पर भी कार्य कर चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन ने दक्षिण भारत में भाजपा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फरवरी 2023 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। जुलाई 2024 में वे महाराष्ट्र के राज्यपाल बने।

राधाकृष्णन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र आंदोलन से की थी। 2007 में, जब वे तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष थे, उन्होंने राज्य में 93 दिनों की 19 हजार किलोमीटर लंबी 'रथ यात्रा' की थी। इस यात्रा में उन्होंने मुख्य रूप से नदी जोड़ो, आतंकवाद, समान नागरिक संहिता, अस्पृश्यता और नशे के दुष्परिणाम जैसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। तिरूप्पुर में जन्मे 68 वर्षीय सी.पी. राधाकृष्णन सांसद रहते हुए वे संसदीय स्थायी समिति (कपड़ा मंत्रालय) के अध्यक्ष रहे। इसके अलावा सी. पी. राधाकृष्णन स्टॉक एक्सचेंज घोटाले की जांच के लिए बनी विशेष संसदीय समिति के सदस्य थे। 2016 में उन्हें कोच्चि स्थित कॉयर बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया, जहाँ उन्होंने चार साल तक काम किया। उनके नेतृत्व में भारत से नारियल रेशा का निर्यात 2532 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गया। गौरतलब है कि देश में उप राष्ट्रपति का चुनाव परोक्ष पद्धति से होता है, जिसके निर्वाचक मंडल यानी इलेक्टोरल कॉलेज में राज्यसभा और लोकसभा के सांसद शामिल होते हैं। दोनों सदनों में मनोनीत सदस्यों को भी उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में मतदान का अधिकार होता है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदी धनखड़ द्वारा अचानक इस्तीफा दिए जाने से नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की स्थिति बनी है। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन भरने की आखिरी तारीख़ 21 अगस्त है। मतदान 9 सितंबर को होगा और नतीजे उसी दिन घोषित किए जाएंगे। हालांकि चुनाव के लिए मतदान होगा या नहीं यह इस बात पर निर्भर है कि विपक्ष अपना कोई उम्मीदवार खड़ा करता है या नहीं। वह अपना प्रत्याशी खड़ा कर सांकेतिक विरोध भी कर सकता है। सबकी निगाहें डीएमके के रूख पर लगी हैं। क्या वह तमिल होने के नाते राधाकृष्णन का समर्थन करेगी या फिर विरोध। तमिलनाडु में अगले साल विस चुनाव है। ऐसे में राधाकृष्णन का विरोध डीएमके को महंगा पड़ सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था पर बढ़ता अमेरिकी आतंक

ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के ऐलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है। मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

नजरिया

प्रो. महेश चंद गुप्ता

लेखक शिक्षाविद् हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ - यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा।

ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है। मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा।

यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयाँ, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं।

लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमरीका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है। वह आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। भारत का पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है।

उद्योग जगत भी इस दबाव को एक अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गौरतलब है कि गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट में अनुमान है कि 2075 तक भारत की जीडीपी 52.5 ट्रिलियन डॉलर होगी, जो चीन के 57 ट्रिलियन डॉलर से कम लेकिन अमेरिका के 51.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगी। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है।

अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है।

मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है।

धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है।

इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमरीका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य मे नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है।

पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिटम में शामिल होंगे। मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत मे जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमरीका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा।

अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है। आने वाले समय में अपने हितों की रक्षा करते हुए दुनिया में अपनी शर्तों पर आगे बढ़ना ही भारत की असली ताकत होगी। अर्थव्यवस्था के शिखर पर पहुंचकर भी भारत वसुधैव कुटुम्बकुम के मार्ग पर चलेगा। सबका कल्याण ही भारत की सोच है। हम तो प्राचीन काल से ही सर्वे भवन्तु सुखिनः ही सोच रखते हैं। दादागिरी हमारा स्वभाव नहीं है।

लोगों को 'आदर्श भारतीय नागरिक' बनाने का समय

स्वाधीन चिंतन

विनोद नागर

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देश के रूप में 'इंडिया' जो कभी गुट निरपेक्ष आन्दोलन की मेजबानी को ही वैश्विक उपलब्धि मानकर आत्म मुग्ध होता रहा, अब विश्व की महाशक्तियों के साथ आँख से आँख मिलाकर अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिये तत्पर है. 'भारत' को यह बराबरी का दर्जा दिलाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का छप्पन इंच का सीना कितना काम आया है, यह उनके पिछले ग्यारह साल के कार्यकाल की अतुलनीय और अनगिनत उपलब्धियों को दृष्टिगत रखते हुए आसानी से समझा जा सकता है.

विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ते हुए देश ने पिछले एक दशक में जो ऊँची छलाँग लगाई है, वह निश्चित ही अभूतपूर्व है, बल्कि राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने वाली है. जाहिर है इससे एक सौ चालीस करोड़ भारतवासी ही नहीं, दुनिया जहान के दूर देशों में जा बसे करोड़ों आप्रवासी भारतीय भी गौरवान्वित हैं. 79 वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर देश को और आगे ले जाने के बारे में चिंतन करते हुए कई मुद्दे उभरकर सामने आते हैं. आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से परे अब हमारा ध्यान उन विषयों की ओर जाना चाहिये, जो अन्यान्य कारणों से अभी तक उपेक्षित से रहे हैं.

दुनिया के तमाम छोटे-बड़े देशों की जब हम बात करते हैं, तो वहाँ के नागरिकों की पहचान प्रायः कद-काठी, रंग-रूप, खान-पान, वेश-भूषा और भाषाई आधार पर मस्तिष्क में उभरती है. लेकिन फ्रांस, जर्मनी, इटली जैसे यूरोपीय देश हों या चीन, जापान, और रूस जैसे देश, वहाँ के नागरिकों की पहचान भाषा और नस्ल के अतिरिक्त नैतिक आधार पर आत्म अनुशासन वाली चारित्रिक विशेषताओं के जरिये भी अनुकरणीय लगती है. इन्हीं सन्दर्भों में जब हम भारतीय नागरिकों की पहचान करने की चेष्टा करें तो अनेक विरोधाभास और दोहरे मापदंड नज़र आते हैं.

सड़क पर यातायात नियमों का पालन करना हो या सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का उपयोग करने का मामला हो हम भारतीयों का रवैया देश और विदेश में एकदम बदला हुआ पाते है. जो भारतीय देश में इन छोटे-छोटे मसलों पर फैली अराजकता के लिये सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए 'कुँए में भांग घुली है' की नियति मानकर सहज भाव से स्वीकार कर अपना पल्ला झाड़ लेता है, वही व्यक्ति अपने बच्चों के पास विदेशों में महीने-दो महीने बिताकर जब लौटता है, तो वहाँ लेन में चलने, खाली सड़क पर भी लाल बत्ती में रुकने और निर्धारित तौर-तरीकों का पालन करने जैसी अच्छाइयों के गीत गाते नहीं अघाता. अच्छे नागरिक का यह दोहरा चरित्र भला किसे अच्छा लगेगा?

जाहिर है आज़ादी के आठ दशक बाद भी हम लोगों को आदर्श भारतीय नागरिक बनाने का काम ठीक से नहीं कर पाये हैं. सेना को छोड़कर सरकारी तंत्र हो, सरकारी संपत्ति हो अथवा पुलिस आज भी हमें 'अपनी' नहीं लगती. सरकारी दफ्तर, सरकारी अस्पताल, सरकारी शिक्षण संस्थान यहाँ तक की सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट और ट्रैफिक सिग्नल भी हमें पराये लगते है. आज़ादी के इतने सालों बाद भी हम लोगों को सड़क पर हमेशा बायीं ओर चलने की बुनियादी आदत नहीं सिखा पाये हैं और न ही सड़क पर थूकने की बुरी आदत से निजात दिला पाये हैं.

फौरी तौर पर इसकी एक बड़ी वजह अशिक्षा बताई जाती है. जबकि इसके मूल में शिक्षा का नहीं बल्कि 'नागरिक शिक्षा' का अभाव है. जिसे हमने अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्रणाली से दशकों पूर्व ही तिलांजलि दे दी.आज भारत के किसी भी कोने में ऐसा शायद ही कोई निरक्षर, अज्ञानी, अनपढ़ आदमी आपको मिले जिसे कोई चतुर सुजान नकली नोट या खोटा सिक्का थमाकर चलता बने. फिर हम किस आधार पर यह कह सकते हैं कि शिक्षा की कमी के कारण लोग अच्छे नागरिक नहीं बन पा रहे है. देश में नशे की सामाजिक बुराई भी सामाजिक नियंत्रण के अभाव में ही तो फल-फूल रही है.

75 साल तो हमें भारतीय दंड संहिता को बदलने में लग गये. यदि संसद में विधिसम्मत ढंग से प्रस्ताव पारित कर जम्मू-काश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 को खत्म किया जा सकता था, तो 'काल के भाल' पर लिखी इस गलती को सुधारने में पूर्ववर्ती सताधीशों को किसने रोका था? ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लम्बे चले स्वाधीनता संग्राम के दौरान सरकारी कानूनों के उल्लंघन के जन आंदोलनों की मानसिकता स्वतंत्र भारत में जिस सहजता से बदल जानी चाहिए थी, उस तरफ किसी का ध्यान नहीं गया.

आज भी यदि लोग सरकारी कानूनों के पालन को लेकर सजग नहीं हैं और शासन/ प्रशासन की ढील-पोल या सख्ती के खिलाफ तुरंत धरना प्रदर्शन और चक्का जाम आन्दोलन करने में देर नहीं लगाते तो इसे लोकतंत्र के नाम पर मिली आज़ादी का सदुपयोग नहीं कहा जा सकता. स्वतंत्र भारत में लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था से चुनी हुई सरकार के पक्ष या विपक्ष में अपना समर्थन या विरोध केवल चुनाव के समय अभिव्यक्त कर घर बैठ जाते हैं, तो यह उदासीनता किस तरफ इशारा करती है?

अपने अधिकारों को लेकर तो हर कोई जागरूक है और उसका हनन होने पर कोर्ट कचहरी तक जाने को तैयार है; लेकिन नागरिकों के कर्तव्यों को लेकर जो राष्ट्रीय प्रतिमान गढ़े जाने थे, वे हाशिये पर ही रह गये. केंद्र, राज्य, नगरीय निकायों और पंचायती राज व्यवस्था को मिलकर समूचे भारतीय नागरिकों के लिये एक आदर्श आचार संहिता बनाने पर विचार करना चाहिये. इसमें 'आदर्श भारतीय नागरिक' का स्वैच्छिक दर्जा पाने के लिये लोगों को प्रेरित के बहुआयामी उपाय किये जा सकते है.

मतदान को अनिवार्य बनाने में कोई वैधानिक अड़चन हो, तो भी मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये सरकार उन सभी जागरूक मतदाताओं को जिन्होंने सभी प्रमुख चुनावों में वोट डाला हो, उन्हें 'आदर्श मतदाता/ आदर्श नागरिक' के रूप में सम्मानित कर विभिन्न करों में आकर्षक छूट/ विशेष रियायत/ प्राथमिकता की सुविधाएँ प्रदान कर व्यक्तिगत स्तर पर राष्ट्रीय गौरव की अनुभूति करा सकती है. पर सरकार को इस तरह के अहम् फैसले विपक्षी दलों के अड़ियल रवैये को दरकिनार करते हुए ही लेने पड़ेंगे.

चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के आधार पर सरकार ग्राम पंचायत/ नगरीय निकाय से लेकर विधान सभा और लोकसभा चुनाव में स्वप्रेरणा से आगे आकर सौ फी सदी वोट देने वाले जागरूक मतदाताओं सहित सभी प्रकार के कर/ शुल्क चुकाने वालों, यातायात के नियमों का पालन करने वालों, आपराधिक/ असामाजिक गतिविधियों से दूर रहने वालों, नेकी, ईमानदारी, सदाचार और राष्ट्र भक्ति की गतिविधियों में संलग्न जिम्मेदार नागरिकों को 'आदर्श भारतीय नागरिक' विशेष सम्मानजनक दर्जा और सीने पर लगे जाने वाला बेज प्रदान कर ही सकती है.

इस तरह के ठोस उपायों से आदर्श भारतीय नागरिकों की नई पहचान दिलाने की जनोन्मुखी पहल स्वागतयोग्य होगी इसमें कोई संदेह नहीं. दो दशक बाद भारत अपनी स्वतंत्रता शताब्दी वर्ष मनाएगा. इससे पहले लोगों को 'आदर्श भारतीय नागरिक' बनाने के राष्ट्रीय अभियान का श्रीगणेश अगले गणतंत्र दिवस से करही दिया जाना चाहिए. 'हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा आये' की तर्ज पर इस जन अभियान पर सरकार को न तो करोड़ों रूपये की धनराशि खर्च करनी है, न लम्बा चौड़ा प्रशासनिक तामझाम जुटाना है. वर्ष 2014 में साफ़-सफाई जैसे गौण लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक आह्वान पर 'स्वच्छ भारत अभियान' को जन आन्दोलन में बदलते हम सबने देखा है.

अपनी-अपनी गर्मी!

व्यंग्य

डॉ. हरि जोशी

लेखक पत्रकार हैं।

मैं अमेरिका आकर भी नियम से जल्दी उठता और सुबह शाम पदयात्रा करता हूँ। इससे शरीर में थोड़ी गर्मी बनी रहती है। आसपास जितने स्थानीय भ्रमणार्थी दिखायी देते हैं, वे इस तापमान में उघाड़े रहते या नाम मात्र के छोटे झुरझुरे कमीज़ चड्डी पहने घूमते रहते हैं। मैं तो स्वेटर-टोपे के बिना निकलता नहीं, स्पष्ट है उनकी आन्तरिक गर्मी मुझसे अधिक है।

एक दिन उन्होंने मुझसे पूछ लिया-'आप हमेशा गर्म कपड़े क्यों पहने रहते हैं?'

मैंने उत्तर दिया- 'भारत के पास डॉलर या धन की वैसी गर्मी नहीं है, जैसी अमेरिका को है, फिर विगत दिनों ट्रम्प ने वैश्विक ताश में जो ट्रम्प चल दिया और यदि वह कारगर हो गया तो आप लोगों में इतनी गरमी बढ़ जायेगी कि आपको ये कपड़े पहनने की आवश्यकता भी नहीं रहेगी।'

कुछ रूककर मैंने कहा- आपके यहाँ 9/11 का हमला हुआ, आपने हमला करने वालों की गरमी निकाल दी। सद्दाम हुसैन की मूर्ति को भू लुंठित किया, ओसामा बिन लादेन को समुद्र समाधि दे दी, आक्रमणकारियों की सारी गरमी निकल गई।

भारतवर्ष अभी बहुत ठंडा है, इसलिए आतंकवादी अपनी गरमी वहां दिखा जाते हैं। भारत वर्ष में जिस दिन ऐसी गरमी आ जायेगी, मैं भी ऐसी ही नाम मात्र की वेशभूषा पहनना शुरू कर दूंगा।

गर्मी अनेक कारणों से बनी रहती है। कोई व्यक्ति उच्च पद पर हो तो कुर्सी की गर्मी चौबीसों घंटे रहती है। मंत्री को, उच्चाधिकारी को, जब तक वह पदासीन रहता है, गर्मी बनी रहती है,पद से हटते ही वह ठंडा पड़ जाता है।

मेरी एक पूर्व परिचित मंत्री बनी। मंत्री बनने के पहले न वह कभी कवयित्री थी, न बाद में कभी रही, किन्तु मंत्री पद पर आसीन होते ही, वह सुपरिचित, लोकप्रिय और प्रतिष्ठित कवयित्री बन बैठी।

मुझे उनका वह नया रूप देखकर आश्चर्य हुआ। एक दिन हम दोनों उनके निवास पर थे, मैंने कहा, 'आजकल आपकी कविताओं की चहुँओर प्रशंसा हो रही है, मुझे ज्ञात नहीं था इतनी अच्छी कवितायें आप लिख लेती हैं ?'

मुझे जानकारी हो गई थी, मंचों पर वे पूरे अभिनय के साथ भाषण की जगह कविताएँ प्रस्तुत करने लगी हैं। तालियाँ खूब बजती हैं। पता नहीं,मंत्री पद के प्रभाव में तालियाँ बजती थी या वास्तव में काव्य की ऊंचाई के कारण।

तत्काल उन्हें अच्छा अवसर दिखायी दिया। तुरंत उठी और अपनी हस्तलिखित डायरी मेरे सामने लाकर अभिनय सहित कवितायें सुनाने लगी। मैंने उत्तर दिया -भाव तो बहुत सुंदर हैं किन्तु अभी तक अपने एक भी कविता कहीं प्रकाशित नहीं करवाई ?

'भेजने का साहस नहीं हुआ।' वह बोली

रूककर मैंने कहा - अपनी डायरी बताएं, मैं देखूं ,आपने और क्या-क्या लिखा है?

वह बोली - आपको डायरी नहीं दिखाऊँगी।

मैंने कारण पूछा तो- बोली आप कविताओं में कई गलतियाँ निकाल देंगे। इसीलिये तो मैं कहीं प्रकाशनार्थ नहीं भेजती क्योंकि संपादक कहाँ तक गलतियाँ ठीक करते रहेंगे ?

बहरहाल उनमें काफी समय मंत्री पद की गर्मी कविताओं के कारण बनी रही। जैसे ही मंत्री पद से हटी, उनकी कविता भाग खड़ी हुई। फिर कविता वापिस नहीं लौटी। मंत्री पद लौटे तो शायद कविता भी लौट आये? गर्मी तिरोहित हो चुकी थी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

ज्योति जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कद्दी साड्डी गल्ली भूल के वी...

पिछले चंद हफ्तों से शहर में एक हलचल सी है। हलचल इसलिए कि प्रशासन सक्रिय है। और सक्रिय इसलिए है क्योंकि कई मेहमान शहर में आने वाले हैं...।

मेहमान शहर में आने वाले है, उसका ही परिणाम ये हलचल है। और ये हलचल अच्छी लग रही है। पता है क्यों...? क्योंकि कई क्षेत्रों में साफ सफाई गजब की हो रही है और अतिक्रमण हट रहे हैं। अतिक्रमण से याद आया कि हमारे क्षेत्र में तो अतिक्रमण स्थाई ही हो गए हैं। यहां तक कि नाले भी गायब हो गए और वहां दुकान प्रकट हो गई। और दुकानें भी कैसी...! पलंग, रजाईयां तक सड़क पर, बर्तन,स्टील की कोठियां सड़क पर, बच्चों को लुभाने वाले बड़े-बड़े टेडी बीयर भी सड़क पर, और एक से बढ़कर एक साड़ियां पहनने वाली डमी भी सड़क पर। अतिक्रमण की सारी हदें पार। और धार्मिक स्थलों के अतिक्रमण का तो क्या कहना।धर्म के नाम पर कुछ बोलना, यानी मुसीबत को न्योता देना। इसलिए धार्मिक स्थलों के अतिक्रमण की तो बात ही ना करें तो अच्छा है, क्योंकि शुरुआत तो एक छोटे से ओटले से होती है वो चाहे किसी भी धर्म का हो। और ओटला थोड़ा बड़ा होते-होते बाउंड्री वॉल बनती है। सजावट होती है, अपने-अपने रंग होते हैं और देखते ही देखते पक्की टाइल्स लग जाती है। चंद रोज बाद निकलते हैं तो लगता है अरे, ये कब हो गया...? तो ऐसे एरिया में जब हम रहते हैं तो लगता है काश हम भी उस क्षेत्र में होते जहां पर मेहमान आने वाले हैं, तो अतिक्रमण को टा..टा हो जाता। वैसे साहब, मेहमान भी अलग अलग तरह के होते है और हर मेहमान को अलग अलग ट्रीटमेंट मिलता है।

अब देखिए ना...! एक मेहमान तो प्रवासी पंछी भी होते हैं। कितनी मुश्किल से अपना समझकर वे आते हैं और हम बदले में उन्हें क्या दे पाते हैं तथाकथित झील या तलाब का वो पानी जिसमें शहर की सारी गंदगी जा गिरती है।जिसमें ढेरों कचरा पड़ा रहता है और जल स्तर लगातार घटता चला जाता है। लेकिन कितने विनम्र मेहमान हैं। कोई शिकायत नहीं करते बल्कि अपने मधुर स्वर से हमें लुभाते ही है। उन मेहमानों के लिए हम कभी चिंता नहीं करते। हम कभी नहीं सोचते कि चलो.. तालाबों की सफाई कर लेते हैं, मेहमान आने वाले हैं। आसपास हरियाली अच्छी कर लेते हैं, पंछी मेहमान आने वाले हैं। लेकिन साहब.... ये जो मेहमान होते हैं जो शहर में आते हैं और ये वो मेहमान है जो बिना पंखों के भी उड़ते फिरते हैं, इन मेहमानों के लिए तो बंजर में झाड़ तक उग आते हैं और झाड़ भी ऐसे वैसे नहीं, ओरिजनल, असली, एकदम सौ टका खालिस। और सड़कों पर धूल ना के बराबर बल्कि कहीं-कहीं तो बिल्कुल नहीं। सो धूल से प्रदूषण का स्तर भी कम होने लगता है।

उस दिन उस रोड़ पर यूं ही घूमते हुए चले गए तो आंखें आश्चर्य से फटी रह गई, लगा ही नहीं कि ये नजारा अपने ही शहर का है। स्वच्छता में नंबर वन तो कई बार आ चुके हैं। लेकिन जब मेहमान आते हैं तब तो स्वच्छता का दसवां ही लग जाता है।

नहीं समझे...? चौका और छक्का दोनों मिल जाते हैं। सफाई का स्तर ही इतना ऊपर उठ जाता है कि चौका छक्का दोनों लग जाते हैं। नए कलर, नई सजावट, सब कुछ नया ही नया। लेकिन अफसोस इस बात का है कि वह चुनिंदा जगहों पर ही होता है। इस बार की तो जो साफ-सफाई देखी तो मन में बस यही विचार उठ रहे थे कि मेहमानों से कहूं कि कद्दी साड्डी गल्ली भूल के वी आया करो नी....।

फोटोग्राफी दिवस पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।

रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का कलात्मक माध्यम

संवेदना, समानुभूति और कल्पना का साहचर्य प्राप्त कर रचनात्मकता जीवंत हो उठती है। फोटोग्राफी भी रचनात्मकता की ऐसी ही एक अनूठी आधुनिक उन्नत कला साधना है जहां एक फोटोग्राफर जगत् के सौंदर्य के साथ जीवन के सामंजस्य-वैमनस्य, संघर्ष-सह-अस्तित्व, हर्ष-विषाद, आशा-निराशा एवं कटु-माधुर्य दृश्यों को कैमरे के लेंस द्वारा न केवल देखता और सहेजता बल्कि लोक को जीवन दृष्टि का उपहार भी देता है। फोटोग्राफी ग्रीक शब्द फोस और ग्राफे से निकला है जिसका आशय है प्रकाश के माध्यम से चित्रण या लेखन करना।

हर व्यक्ति में रचनात्मकता होती है। इनमें जो सूझबूझ भरे, सजग और सक्रिय होते हैं वे अपने कार्यक्षेत्र में रचनात्मकता को नवाचार के विविध रूपों में प्रदर्शित करते हैं, वहीं कुछ व्यक्तियों के अवचेतन मन में यही रचनात्मकता बीज रूप में सुप्तावस्था में रहती है और उचित एवं अनुकूल परिवेश, प्रेरणा, पोषण एवं प्रोत्साहन प्राप्त कर कृति रूप में साकार होती है। मनस्थ रचनात्मकता को लोकजीवन में उद्घाटित-प्रकाशित करने के लिए विविध साधन एवं कला क्षेत्र माध्यम बनते हैं। लेखन, शिल्पकला, स्थापत्य, मूर्तिकला, चित्रकला, बागवानी, फोटोग्राफी, फिल्म एवं वृत्तचित्र निर्माण, संगीत, समाजोपयोगी कार्य, सेवा-साधना इत्यादिक क्षेत्रों में व्यक्ति की रचनात्मकता नवल आयाम के साथ प्रकट होती रही है। संवेदना, समानुभूति और कल्पना का साहचर्य प्राप्त कर रचनात्मकता जीवंत हो उठती है। फोटोग्राफी भी रचनात्मकता की ऐसी ही एक अनूठी आधुनिक उन्नत कला साधना है जहां एक फोटोग्राफर जगत् के सौंदर्य के साथ जीवन के सामंजस्य-वैमनस्य, संघर्ष-सह-अस्तित्व, हर्ष-विषाद, आशा-निराशा एवं कटु-माधुर्य दृश्यों को कैमरे के लेंस द्वारा न केवल देखता और सहेजता बल्कि लोक को जीवन दृष्टि का उपहार भी देता है। फोटोग्राफी ग्रीक शब्द फोस और ग्राफे से निकला है जिसका आशय है प्रकाश के माध्यम से चित्रण या लेखन करना।

फोटोग्राफी का पहला पेटेंट 19 अगस्त, 1839 को हुआ था। इस दिन की स्मृति को संजोने के लिए आस्ट्रेलिया के एक उत्साही फोटोग्राफर ने अन्य 270 फोटोग्राफरों के साथ मिलकर 19 अगस्त, 2010 को एक आयोजन कर फोटो का दुनिया भर में प्रचार-प्रसार तथा साझा करने हेतु वैश्विक आयोजन की आधारशिला रखी। और उस दिन अपने फोटो संग्रह से चयनित कुछ फोटो को आनलाइन फोटो गैलरी में प्रदर्शित किया। दुनिया के 100 से अधिक देशों में फोटो गैलरी को देखा-सराहा एवं पसंद किया गया। नये विषयों और क्षेत्रों के फोटो की मांग भी आई। तब से यह आयोजन अबाधित अद्यावधि गतिमान है। ऐसे आयोजन से फोटोग्राफरों को अपने रचनात्मक कलात्मक फोटो के प्रदर्शन, परस्पर लेन-देन से पहचान मिली और फोटो विक्रय से आर्थिक सुदृढ़ता भी। आज के दिन स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थाओं द्वारा फोटोग्राफी पर कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी एवं फोटो के प्रदर्शन करने जैसे आयोजन किये जाते हैं। एक फोटो हजार शब्दों की व्याख्या है, अनुभूति है और सहज सम्प्रेषणीयता भी। विश्व फोटोग्राफी दिवस का उद्देश्य पूरी दुनिया के फोटोग्राफरों को अपनी कला एवं रचनात्मकता को प्रदर्शित करने, विश्व भर में साझा करने और फोटोग्राफी के महत्व को बढ़ावा देने के साथ आमजन को जागरूक करने हेतु एक बड़ा मंच और अवसर देता है।

विश्व का पहला फोटो आज से दो सौ वर्ष पूर्व सन् 1826 में जोसेफ निसेफोर नीप्से ने अपने मकान की खिड़की से लिया था, जिसमें 8 घंटे लगे थे परंतु प्राप्त फोटो धुंधली और अस्पष्ट थी। 'व्यू फ्रॉम द विंडो एट ले ग्रास' नामक यह फोटो आज ऐतिहासिक धरोहर है। फ्रांस के विज्ञानी जोसेफ नाइसफोर तथा लुई डॉग्यूरे ने 1837 में फोटोग्राफी की डॉग्यूरेटाईप प्रक्रिया का आविष्कार किया। इसमें तांबे की सीट पर चांदी की पतली परत का लेप लगाते थे, जिस पर कैमरे से व्यक्ति, वस्तु या दृश्य को पकड़ते थे। आगे फ्रेंच अकादमी ऑफ साइंसेज ने 9 जनवरी, 1839 को इसकी आधिकारिक घोषणा की तथा फ्रेंच सरकार ने 19 अगस्त, 1839 को इसका पेटेंट प्राप्त कर पूरी दुनिया के लिए मुफ्त सुलभ करा दिया। फोटोग्राफी के विकास में विज्ञानी अविराम नित नूतन प्रयोग करते रहे। वर्ष 1861 में स्काटलैंड के भौतिकशास्त्री जेम्स क्लर्क मैक्सवेल की त्रि-रंग विधि से थामस सटन ने लाल, हरा और नीले रंग की तीन प्लेटों का प्रयोग करके कैमरे से दुनिया की पहली रंगीन तस्वीर प्राप्त की। दो दशकों बाद फोटोग्राफी के इतिहास में एक क्रांतिकारी शोध हुआ जिसने न केवल फोटोग्राफरों का बोझ हल्का किया बल्कि फोटो खींचना भी अपेक्षाकृत सहज-सरल बना दिया। सन् 1884 में न्यूयार्क के जार्ज ईस्टमैन ने डाग्यूरे टाईप प्रक्रिया को परिष्कृत कर तांबे की प्लेट की जगह सूखी जेल की एक पतली पट्टी लगा दी, जिसे फिल्म कहा गया। अब फोटोग्राफरों को तांबे की प्लेटें और विषाक्त रसायनों का बोझ ढोने से मुक्ति मिली। इतना ही नहीं, आगे ईस्टमैन ने सन् 1888 में एक कोडक कैमरा भी विकसित किया, जिससे कोई भी व्यक्ति अब फोटो खींच सकता था। डिजिटल कैमरों के आने के पहले तक कोडक कैमरा और फिल्म रीलों का प्रयोग दुनिया भर में हो रहा था। भारत में फोटोग्राफी का आरंभ 19वीं शताब्दी में अंग्रेजों की पहल से हो गया था। वर्ष 1880 में हैदराबाद निजाम के दरबारी फोटोग्राफर लाला दीनदयाल ने सास-बहू मंदिर का फोटो लिया था, यह किसी भारतीय द्वारा लिया गया पहला फोटो था। हालांकि इसके पूर्व फेलिस बीटो ने 1857 के युद्ध के फोटो लिए थे। सैमुअल बार्न ने 1863 में भारत में बार्न एंड शेफर्ड नामक फोटो स्टूडियो स्थापित किया था, उन्होंने भारत के स्थापत्य और वास्तुकला से सम्बंधित भवनों के फोटो लिए थे।

फोटोग्राफी दिवस पर प्रति वर्ष आयोजन की एक थीम होती है। वर्ष 2025 की थीम है - मेरी पसंदीदा फोटो। वर्ष की थीम पर पूरे विश्व में आयोजित होने वाले कार्यक्रम फोटोग्राफी के प्रति सामान्य जन को उसकी पहुंच से परिचित करा पर्यावरण जागरूकता, वैश्विक एकता, भुखमरी से मुक्ति, मानवीय संवेदना, निर्झर-गिरि-कानन, सर-सिंधु-सरिताओं के संरक्षण, स्वच्छता, अहिंसा, प्रेम, बंधुत्व, जीवन में नवाचारी प्रयासों एवं सांस्कृतिक वैविध्य के साथ ही मानवीय गरिमा को धूमिल-धूसर करते रंग, नस्ल, लिंग, हिंसा, युद्ध, बालश्रम, यौन अपराध, महिला दुर्व्यवहार जैसे ज्वलंत विभेदकारी मुद्दों के प्रति चेतना जगाने का कार्य करता है। यह दिन जीवनोपयोगी वन, डेल्टा, मरुस्थल, दलदल, ऐतिहासिक विरासत के किले, बावड़ी, मंदिर, पुल, बांध सहित लोक के महत्वपूर्ण दृश्यों का अंकन कर भावी पीढ़ी के हाथों में सौंप संरक्षण को प्रेरित करता है।

फोटोग्राफी कला लोक जीवन के इतिहास को न केवल सहेजती है बल्कि रचती भी है। निर्विवाद कह सकते हैं कि एक फोटो की सम्प्रेषणीयता शब्द और काल से परे होती है। उसकी व्यापकता, उपयोगिता एवं संदर्भशीलता दुनिया भर में धारणाओं और भावनाओं को नवल आकार देती है। फोटोग्राफी कला के आधार में धैर्य, संयम, सौंदर्यबोध, सूक्ष्मदृष्टि, कल्पना, संवेदनशीलता एवं साहस के सप्तरंग बिखरे हैं। फोटोग्राफी की राह में सुवासित सुमनों के परिमल पराग का सिंचन नहीं है अपितु चुनौतियों, बाधाओं, जोखिम एवं दुश्वारियों के कंटक बिछे हैं। एक फोटो के पीछे महीनों और कभी-कभी तो वर्षों की साधना छिपी होती है। इसीलिए फोटोग्राफी कला इतिहास, भूगोल, विज्ञान, शिल्प, संस्कृति एवं परम्परा की पहचान है। फोटोग्राफी की दो शताब्दी की यह जीवन यात्रा हमारे लिए प्रमुदित और प्रेरक है।

काशी की पांडित्य परम्परा के महामनीषी

प्रो विश्वनाथ भट्टाचार्य : जन्मतिथि

प्रो.वत्सला

(लेखक और शिक्षाविद्)

जब कभी भी प्रो विश्वनाथ भट्टाचार्य का प्रसंग आता है, तो सभी का यही कहना होता है, कि वे बड़े संत आदमी थे। अपनी विद्वत्ता और मिलनसारिता से सभी विद्वान आपके व्यक्तित्व से अभिभूत रहते थे। वे विभाग में श्रुति परंपरा के संवाहक एकमात्र आचार्य थे। स्वनामधन्य काशी के साथ ही भारतवर्ष में साहित्यशास्त्र के अग्रगण्य व अप्रतिम विद्वानों में से एक थे। उनका वंशवृक्ष काशी की विद्वत् परंपरा का अधिष्ठानभूत था।

प्रो विश्वनाथ भट्टाचार्य के घर में गुरुकुल की परंपरा थी, किंतु आपके पिता पंडित ताराचरण भट्टाचार्य के मरणोपरान्त यह परंपरा समाप्त हो गई। इस परंपरा का प्रभाव उन पर स्पष्टतया परिलक्षित होता था। उन्होंने 11 साल तक डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में तथा 26 वर्षों तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। सागर विश्वविद्यालय में उनका कार्यकाल इस विश्वविद्यालय के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय था। अपनी ओजस्विता, कार्य के प्रति उत्साह तथा कार्य संपन्न करने की क्षमता से आपने अनेक कार्यक्रमों का सूत्रपात किया और उसका पल्लवन पोषण भी किया। वे राष्ट्रीय एकता समिति, सागर विश्वविद्यालय में कई वर्ष तक सचिव रहे। उस समय इस समिति के तत्वाधान में प्रतिवर्ष 14 भारतीय भाषाओं का नाट्य समारोह, अनेक परिसंवाद तथा विचार गोष्ठी आदि का आयोजन विश्वविद्यालय में होता रहता था। विश्वविद्यालय में शिक्षक संघ के गठन तथा शिक्षकों के संघर्षों में उनकी भूमिका मुख्य रहा करती थी। संस्कृत विभाग में उनके संयोजन में प्रतिसप्ताह संस्कृत गोष्ठी तथा अन्य आयोजन होते रहते थे। किसी भी कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति ही कार्यक्रम को जीवंत बना देती थी।

वे जब मेघदूत पढ़ाते थे, उस समय उनकी भावभंगिमाएं, हस्तसंचालन और चित्रण करने के चातुर्य से मेघदूत के दृश्यों को नेत्रों के समक्ष चित्रित कर देते थे। कभी-कभी भारतवर्ष का नक्शा ब्लैकबोर्ड पर बनाकर मेघदूत में उल्लेखित नदियों, पर्वतों के साथ मेघमार्ग को रेखांकित कर देते थे। आप बहुत ही तीव्र गति से चलते थे उसी प्रकार बोलने - चलने में भी लेशमात्र का आलस्य, प्रमाद और शिथिलता की प्रतीति कभी नहीं होती थी। वे सदा ऊर्जा व उत्साह से संपन्न दिखाई देते थे। वे कभी भी अध्यापन-कक्ष में पुस्तक हाथ में लेकर नहीं पढ़ाते थे। गुरुकुल की परंपरानुसार आपने श्रुति परंपरा से शास्त्रों का अध्ययन किया था। उनकी स्मरण शक्ति प्रखर थी। चाहे महाकाव्य पढ़ना हो या काव्यशास्त्र या व्याकरण आपको ग्रन्थों के श्लोक, कारिकाएँ, सूत्र आदि कंठस्थ थे। श्लोक या कारिका को बोलते समय कभी भी आपको अटकते या भूलते नहीं देखा है। वे पढ़ना या व्याख्यान देना शुरू करते तो कहीं भी उन्हें रूकते, सोचते, विचारते या प्रसंग से अलग भटकते नहीं देखा है। प्रायः पढ़ते समय नेत्रों को निमीलित किए हुए हास्य के प्रसंग में आपकी स्मित मुस्कान बड़ी शोभनीय लगती थी।

वे केवल विषय से बद्ध होकर अध्यापन नहीं कराते, बल्कि हिंदी, बांग्ला, अंग्रेजी ,संस्कृत चतुर्विध भाषाओं से संबंध कहानी-किस्सों, रोचक घटनाओं, तथ्यों तथा हास-परिहास का सुन्दर पिटारा खोल कर रख देते थे। इस कारण अरुचिकर एवं दुरूह विषय भी आसानी से समझ में आ जाता था। वे एमए. उत्तरार्द्ध में ध्वन्यालोक पढ़ाते थे। ध्वन्यालोक जैसे काव्य शास्त्रीय ग्रंथ को भी बड़ी रोचकता व सरसता से पढ़ाते थे जिससे ग्रंथ की कारिकाएँ बड़ी ही आसानी से हृदयंगम हो जाती थी। उनकी सहृदयता, आपका आकर्षक व्यक्तित्व, आपकी भावभंगिमा, आपका वक्तृत्व कौशल एवं विषय का नाट्यांकन उनके अध्यापन -शैली के सौंदर्य को दुगुणित कर देने वाला था।

आप साहित्यशास्त्र के मर्मज्ञ विद्वान होने के साथ ही कुशल रंगकर्मी भी थे। संस्कृत नाटक के मंचन में भी आपका बड़ा योगदान रहा है। डॉ प्रेमलता शर्मा ने 'अभिनय भारती' नामक संस्था का निर्माण किया था। इस संस्था के द्वारा आपने संस्कृत नाटकों में पूर्वरंग की प्रक्रियान्तर्गत सूत्रधार की भूमिका का निर्वहन किया था। उज्जैन में अभिनीत मालविकाग्निमित्र नाटक में भी आपने सूत्रधार का अभिनय किया था। उज्जैन में प्रस्तुति के पश्चात नागरी नाटक मंडली में इस नाटक का अभिनय किया। लेकिन, स्थापक की भूमिका जिन्होंने पहली बार निभाई थी। वे आप परम्परावादी एवं आध्यात्मिक परिवार से थे इसलिए पूजा-पाठ विधिवत नियमानुसार करते थे। आपकी जीवन-शैली परम भारतीय और परम्परावादी थी लेकिन वे चिंतन में बेहद प्रगतिवादी थे। समयानुकूल परिवर्तन को पसंद करते थे।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

अनिल तंवर

(अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफर)

संवेदना और समय को थाम लेने की अद्भुत कला

यह कहा जा सकता है कि फोटोग्राफी सिर्फ़ प्रकाश और लेंस का खेल नहीं है, यह भावनाओं, यादों और कहानियों का संग्रहालय है। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें याद दिलाता है कि एक तस्वीर शब्दों से अधिक ताकतवर हो सकती है। वह इंसानियत, संघर्ष, प्रकृति और सौंदर्य को एक फ्रेम में समेट सकती है। एक अच्छी तस्वीर, दिल को छूने वाले अनकहे शब्दों की तरह होती है। हम कैमरे की नजर से दुनिया को देखने का आनंद लें और इस कला का सम्मान करें।

आज (19 अगस्त) के दिन पूरी दुनिया में 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' मनाया जाता है। यह सिर्फ़ कैमरे और तस्वीरों का उत्सव नहीं है, बल्कि इंसानी संवेदनाओं, रचनात्मकता और समय को थाम लेने की अद्भुत कला का सम्मान है। एक तस्वीर समय के उस क्षण को सदा के लिए कैद कर लेती है, जो शब्दों से भी गहरी कहानी कह सकती है। इस वर्ष 2025 की थीम 'मेरी पसंदीदा तस्वीर' हमें केवल एक कला के बारे में सोचने के लिए प्रेरित नहीं करती, बल्कि हमें अपनी सबसे गहरी यादों और भावनाओं की यात्रा पर ले जाती है। प्रसिद्ध अमेरिकी फ़ोटोग्राफ़र डेविड एलन हार्वे का कहना है, कि जो दिखता है उसे शूट न करें। जो महसूस होता है उसे शूट करें। यह बात बताती है कि फोटो तब ही सार्थक होता है जब वह स्वयं ही बोलें।

कैमरे के इतिहास ने भी लम्बी यात्रा तय की है। वर्ष 1826-1827 में फ्रांस के जोसेफ नाइसफोर निएप्स ने दुनिया की पहली स्थायी तस्वीर 'व्यू फ्रॉम द विंडो एट ले ग्रास' बनाई। इसके बाद वर्ष 1837 में लुई डागेयर का योगदान डागेयर ने डागेरो टाइप तकनीक विकसित की, जिसे 1839 में फ्रांसीसी सरकार ने दुनिया के लिए उपहार घोषित किया। प्रगति की रफ़्तार ने 19 अगस्त 1839 के दिन डागेरो टाइप तकनीक को आधिकारिक रूप से सार्वजनिक किया गया। बाद में इस दिन को विश्व फोटोग्राफी दिवस के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत में पहली तस्वीर 1840 के दशक में खींची गई। 1854 में फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ़ बंबई (अब मुंबई) की स्थापना हुई, जो उपमहाद्वीप में फोटोग्राफी का केंद्र बनी।

आज फोटोग्राफी ने फिल्म कैमरा से लेकर डिजिटल, मिररलेस और स्मार्टफोन फोटोग्राफी तक लंबी छलांग लगाई है। फिर डिजिटल क्रांति ने स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी को आम जन तक पहुँचा दिया। अब तो हर घर का हर व्यक्ति फोटोग्राफर बन गया। सोशल मीडिया साइट्स यथा इंस्टाग्राम, पिंटरेस्ट, फ्लिकर और 500 पीएक्स जैसी और बहुत सारे विकल्प ने सभी शौकिया और पेशेवर फोटोग्राफरों को वैश्विक मंच प्रदान किया। विशेषीकृत फोटोग्राफी जैसे वाइल्ड लाइफ, एरियल (ड्रोन), अंडरवाटर, एस्ट्रो फोटोग्राफी, और डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफी तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। फिर भी आज फोटो जर्नलिज्म विधा मीडिया और समाचार उद्योग में फोटोग्राफी अब भी सशक्त और प्रभावशाली माध्यम बनी हुई है।

फोटोग्राफी आज सिर्फ़ कला नहीं, बल्कि एक व्यापक करियर विकल्प है क्योंकि अब यह रोजगार का भी सशक्त साधन बन गया। आज एआई के युग ने बहुत सारा काम आसान हो गया। पहले जिन कामों में अनेक मानव श्रम के साथ घंटों, दिनों, महीनों लगते थे अब वह सभी चंद सेकंड या मिनटों में हो रहे है। अब न तो डार्क रूम की झंझट और न फोटो शॉप की लम्बी मेहनत करना पड़ती है। इन सबके बावजूद आज भी पुराने प्रसिद्ध फोटोग्राफर्स उन पुरानी तकनीकों का उपयोग करना ज्यादा पसंद करते है, क्योंकि उनका मानना है कि फोटो वह है जो स्वाभाविक रूप से खुद बोले।अब फोटोग्राफी का ज्यादा चलन प्री वेडिंग, वेडिंग, बर्थ डे आदि उन अमीरों के कार्यक्रमों में होते है जो इन पर खर्च कर सकते है। आम और साधारण परिवार तो अपने मोबाइल से फोटो खींचकर खुश हो जाता है। लेकिन, अब इस लाइन में ज्यादा व्यक्ति व्यावसायिक हो गए है।

उन्हें वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर प्रकृति और जीव जंतुओं का दस्तावेज़ीकरण, फैशन फोटोग्राफर विज्ञापन, मैगज़ीन्स और ब्रांड के लिए काम, फोटो जर्नलिस्ट समाचार और घटनाओं की रिपोर्टिंग, कमर्शियल फोटोग्राफर प्रोडक्ट, फूड और इंडस्ट्रियल फोटोग्राफी, विवाह, फाइन आर्ट फोटोग्राफर प्रदर्शनियों और आर्ट गैलरी के लिए रचनात्मक कार्य, ड्रोन और एरियल फोटोग्राफी पर्यटन, रियल एस्टेट, सुरक्षा व्यवस्था और फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती मांग, अंडरवॉटर फोटोग्राफी (मरीन रिसर्च, फिल्म), एस्ट्रो फोटोग्राफी (खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए)आदि में भरपूर अवसर प्राप्त हो रहे है। जहाँ तक फोटोग्राफी कार्य के भविष्य की बात करे तो अब एआई आधारित एडिटिंग अर्थात् कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब तस्वीरों की गुणवत्ता सुधारने और क्रिएटिव इफेक्ट्स देने में अहम भूमिका निभा रही है। वीआर और 360 डिग्री फोटोग्राफी वर्चुअल रियलिटी अनुभव के लिए इमर्सिव फोटोग्राफी का दौर शुरू हो चुका है। सस्टेनेबल फोटोग्राफी पर्यावरण के अनुकूल तकनीक और जिम्मेदार फोटो शूट की और रुझान भी बढ़ रहा है। यही भविष्य की फोटोग्राफी होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास में सहायक : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वाधान में तीन दिवसीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति सहायक है। संस्कारित शिक्षा परोपकर का मार्ग प्रशस्ति करती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयोजकत्व में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी ताकत भारतीय ज्ञान परंपरा है जिसके पुनरूत्थान का कार्य करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समावेश किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास कार्यों के साथ सांस्कृतिक व देशहित के महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समग्र विकास के आयाम निर्धारित किये गये हैं जो चरित्र निर्माण में अपनी भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरू बनने के मार्ग पर अग्रसर हैं। तीन दिवसीय कार्यशाला में नैतिक आधार के समावेश के साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा के गहन चिंतन का लाभ रीवा के छात्र व प्रबुद्धजन ले पायेंगे।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयोजक अतुल कोठारी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं पंचकोष के सिद्धांत का समावेश किया गया है ताकि समग्र विकास संभव हो सके। जरूरत है कि छात्र इसका अध्ययन करें और अपनी भूमिका तय करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल आधार एकाग्रता है। नवीन शिक्षा नीति में समग्र विकास के आयाम, निर्धारित किये गये हैं। कुलगुरू प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया ने कहा कि राष्ट्रीय संस्कृति उत्थान न्यास शिक्षा बचाओ अभियान का नेतृत्व करता है। न्यास द्वारा विश्वविद्यालय में प्रथम आयोजन किया जा रहा है। समाज की आवश्यकता के अनुरूप कार्यशाला का लाभ विद्यार्थी व प्रबुद्धजन ले सकेंगे। कार्यशाला में स्मारिका एवं संकल्प पत्र का विमोचन किया गया। विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, ओम शर्मा, प्रो. सुनील तिवारी, कुल सचिव सुरेन्द्र सिंह परिहार, अजय तिवारी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

श्री शिव छत्रपति गणेश मंडल का दो दिवसीय आयोजन

देवास। श्री शिव छत्रपति गणेश मंडल द्वारा गणेशोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंडल का यह 110 वां वर्ष है जिसके अंतर्गत 27 अगस्त को सुबह 11 बजे श्री की स्थापना की जाएगी। 29 अगस्त को युगल भरतनाट्यम नृत्य, स्मृति रमेश कौशिक, मैसूर एवं श्रीमती विस्मी शाईन अहमदाबाद द्वारा दी जाएगी। गणेश त्रिलोचन नृत्य की प्रस्तुति घुंघरू नृत्य संगीत महाविद्यालय देवास की बालिकाओं द्वारा दी जाएगी। 30 अगस्त शनिवार का मोहन वीणा वादन अम्बरीश कालेले व बांसुरी वादन अनूपम वानखेडे इंदौर द्वारा किया जाएगा। सामूहिक कथक नृत्य की प्रस्तुति घुंघरू नृत्य संगीत महाविद्यालय की वरिष्ठ बालिकाओं द्वारा दी जाएगी। सभी कार्यक्रमों का आयोजन मल्हार स्मृति मंदिर हॉल में रात्रि 7.30 से होगा। 6 सितम्बर शनिवार को शाम 4 बजे श्री का विसर्जन किया जाएगा।

चामुंडा काम्प्लेक्स पर विराजेंगे कृपालु के बप्पा

भूमिपूजन कर पंडाल निर्माण शुरू

देवास। 10 दिवसीय श्री गणेश चतुर्थी महापर्व को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में चामुंडा कॉम्प्लेक्स परिसर में संस्था कृपालु द्वारा कृपालु के बप्पा की स्थापना की जाएगी। बप्पा की आराधना के लिए भव्य पांडाल सजाया जा रहा है। संस्था द्वारा सोमवार को विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर बप्पा के आगमन का श्रीगणेश किया गया। संस्था द्वारा इस वर्ष 10 दिवसीय धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन के साथ प्रतिदिन भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत गणपति पूजन और पंडाल निर्माण के लिए भूमिपूजन से हुई, जहां भक्तों ने मिलकर गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए। पंडाल में आकर्षक सजावट भी की जाएगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि आने वाले दस दिनों तक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक संदेशों से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। संस्था के सदस्यों ने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पंडाल में दर्शन हेतु पहुंचेंगे। जहां भोजन प्रसादी भी भक्तों के लिए रखी जा रही है। भक्तों में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है और चामुंडा कॉम्प्लेक्स क्षेत्र गणेश भक्ति के रंग में रंग चुका है। जहां विशाल पांडाल के साथ बप्पा की आकर्षक प्रतिमा भी स्थापित की जायेगी।

बड़वानी में ट्रांसमिशन लाइनों के समीप अवैध निर्माण हटाने की मुहिम

एम.पी. ट्रांसको ने जारी किये 24 नोटिस

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने बड़वानी शहर में एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के समीप विद्युत सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर बने असुरक्षित और अवैध निर्माणों को हटाने के लिए मुहिम शुरू की है। प्रतिबंधित कॉरीडोर 27 मीटर की सीमा के अंदर

बने इन निर्माणों से मानव जीवन को गंभीर खतरा है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इन क्षेत्रों में अवैध निर्माण हटाने के लिए 24 व्यक्तियों को नोटिस जारी किये गए हैं।

एम पी ट्रांसको बड़वानी के अभियंता श्री वीर सिंह भूरिया ने बताया कि मुहिम के पहले चरण में लोगों को समझाइश दी गई थी, अब संबंधितों को नोटिस देकर निर्माण हटाने के लिए कहा गया है। कर्मचारी पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम द्वारा हाईटेंशन लाइन से निर्धारित सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील कर रहे हैं और लोगों को संभावित खतरों के प्रति सतर्क किया जा रहा है।

इन क्षेत्रों में जारी किए गए नोटिस- बड़वानी क्षेत्र में एम.पी. नगर, तलुन, अंजद, न्यू फिल्टर के पास कसरावद रोड आदि स्थानों पर 132 के.व्ही. वोल्टेज की बड़वानी- निमरानी ट्रांसमिशन लाइन के समीप सबसे कम सुरक्षा दूरी में निर्माण किए गए हैं। इन्हें हटाने के लिए एम.पी. ट्रांसको द्वारा संबंधित व्यक्तियों को कुल 24 नोटिस जारी किए गए हैं।

27 मीटर का सुरक्षित कॉरीडोर क्यों आवश्यक?- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की गाइडलाइन्स के अनुसार 132 के.व्ही. क्षमता की ट्रांसमिशन लाइनों के 27 मीटर कॉरीडोर की न्यूनतम सुरक्षित दूरी में कोई निर्माण नहीं किया जाना चाहिए। यह दूरी इसलिए तय की गई है क्योंकि हवा के दबाव से कंडक्टर (विद्युत तार) झूल सकता है, जिसे स्विंग कहा जाता है। इस स्विंग को ध्यान में रखते हुए ही दुर्घटनाओं से बचाव के लिए यह मानक निर्धारित है।

घरेलू बिजली से 600 गुना अधिक घातक- ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बने अवैध निर्माण घरेलू बिजली से 600 गुना से अधिक खतरनाक साबित हो सकते हैं। इससे न केवल जिले की विद्युत आपूर्ति लंबे समय तक बाधित होने का खतरा है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन पर भी बड़ा संकट होता है।

सुरक्षा की दृष्टि से एम.पी. ट्रांसको ने नागरिकों से अपील की है कि वे मानकों के अनुरूप ही निर्माण करें और ट्रांसमिशन लाइनों से निर्धारित दूरी बनाए रखें।

भोपाल शूटिंग रेंज के शूटरों ने जीते 8 मेडल

महू स्टेट लेवल प्रतियोगिता में क्षितिज गौर ने 4 मेडल जीते, अमैया-आयुषी ने गोल्ड किया अपने नाम

भोपाल (नप्र)। महू में आयोजित स्टेट लेवल शूटिंग प्रतियोगिता में राजधानी भोपाल शूटिंग रेंज अकादमी के शूटरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 मेडल अपने नाम किए। इनमें सबसे बेहतरीन प्रदर्शन क्षितिज गौर का रहा, जिन्होंने अकेले 4 मेडल जीते। क्षितिज ने इंडिविजुअल इवेंट में 1 गोल्ड और 1 सिल्वर हासिल किया। इसके अलावा टीम इवेंट में भी उन्होंने 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

महिला वर्ग में भी भोपाल की शूटरों ने कमाल दिखाया। अमैया कौर और आयुषी कौर अरोरा की जोड़ी ने टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। अमैया ने व्यक्तिगत वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया। वहीं सुनीत कौर ने इंडिविजुअल इवेंट में सिल्वर पर निशाना साधा। अर्सलान अर्शद ने ब्रॉन्ज जीतकर रेंज का मान बढ़ाया। इन सभी खिलाड़ियों को लालघाटी, बैरागढ़ स्थित भोपाल शूटिंग रेंज में आईएसएसएफ कोच ऋषि सोनी से ट्रेनिंग मिल रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग पर लगाया आरोप

भोपाल। आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग एवं जिला अध्यक्षों की नियुक्ति से जुड़े मुद्दों पर पत्रकारों से चर्चा की। इस अवसर पर मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक जी, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह जी भी उपस्थित रहे।

श्री पटवारी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग अब भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग की भूमिका निष्पक्ष नहीं रह गई है और वह लोकतंत्र के प्रहरी की जगह चोर की तरह कार्य कर रहा है।

श्री पटवारी ने कहा मैं चुनाव आयोग से पूछना चाहता हूं कि भाजपा सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने खुलेआम कहा कि उन्होंने खुद हर घर में जाकर फर्जी 1000-1000 वोट सत्यापित किए हैं। इसका वीडियो भी मैंने ट्वीट किया है। इसी तरह भाजपा के मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने रायबरेली में वोट बढ़ने की बात सार्वजनिक रूप से कही है। यह दोनों तथ्य साबित करते हैं कि भाजपा खुद चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी की बात मान रही है।

उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी जी ने जिस वोट चोरी की समस्या को उठाया था, अब वही बातें भाजपा नेता भी कह रहे हैं और चुनाव आयोग भी उन्हीं दलीलों को दोहरा रहा है। इससे साफ है कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का प्रश्न है। श्री पटवारी ने यह भी कहा कि हमारे नेता माननीय राहुल गांधी को डराने और धमकाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग कांग्रेस नेताओं से हलफनामा मांग रहा है, जबकि उसे स्वयं जनता के सामने हलफनामा देना चाहिए कि इस बार वोट चोरी नहीं होगी।

उन्होंने घोषणा की कि वोट चोरी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी 25 अगस्त से 5 सितंबर तक पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन और प्रदर्शन करेगी।

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पर-जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर उठे सवालों पर श्री जीतू पटवारी ने कहा कि इन नियुक्तियों में उनका कोई व्यक्तिगत हस्तक्षेप नहीं रहा है। यह नियुक्तियाँ कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व एवं श्री राहुल गांधी जी की मंशा के अनुरूप की गई हैं। इस सिलसिले में माननीय राहुल गांधी ने सीधे तौर पर कई नेताओं से चर्चा भी की थी, जिनमें श्री जयवर्धन सिंह भी शामिल थे।

श्री जयवर्धन सिंह ने कहा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि संगठन सृजन अभियान कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की एक विशेष पहल है। जैसा कि हमारे नेता माननीय राहुल गांधी जी ने कहा था–हर जिले में सबसे प्रभावशाली नेता को अवसर दिया जाएगा।

इसी सोच के अनुरूप उन्हें भी जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर उन्होंने आदरणीय कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी और राहुल गांधी जी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि जो लोग संगठन सृजन अभियान की गहराई को नहीं समझते, वही विरोध की बातें कर रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हम सब प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के नेतृत्व में एकजुट हैं।

श्री जयवर्धन सिंह नेआगे कहा कांग्रेस पार्टी ने जो भी निर्णय लिया है, हम उसका पालन पूरी निष्ठा और समर्पण से करेंगे। जिला स्तर पर संगठन को मजबूती के साथ जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा और सशक्त दिशा मिलेगी।

एम्स भोपाल ने पहली बार ट्रांसमैन की टॉप सर्जरी कर रचा इतिहास

भोपाल। एम्स भोपाल ने चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान ने पहली बार किसी ट्रांसमैन की टॉप सर्जरी सफलतापूर्वक की है। यह उपलब्धि मध्य भारत में लैंगिक-पुष्टि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह शल्यक्रिया एम्स भोपाल के बहुविषयक चिकित्सक दल द्वारा की गई। इसमें इंफीरियर पेडिकल तकनीक का प्रयोग किया गया, जिसके अंतर्गत अतिरिक्त स्तन ऊतक को हटाते हुए निप्पल- एरियोला कॉम्प्लेक्स को सुरक्षित रखा गया। इस प्रक्रिया ने रोगी को न केवल चिकित्सकीय राहत दी बल्कि उसे अपनी वास्तविक पहचान को गरिमा के साथ जीने का अवसर भी प्रदान किया। इस सफलता के साथ एम्स भोपाल ने ट्रांसजेंडर स्वास्थ्य सेवाओं के नए अध्याय की शुरुआत की है। आने वाले महीनों में यहां कई अन्य जेंडर-अफर्मेटिव सर्जरी, जिसमें टॉप और बॉटम सर्जरी शामिल हैं, की जानी निर्धारित हैं। यह पहल संस्थान की समावेशी, संवेदनशील और वैज्ञानिक रूप से उन्नत चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस प्रयास में सामुदायिक संगठनों का सहयोग भी शामिल रहा, जिन्होंने ट्रांसजेंडर समुदाय के हित में चिकित्सा दल के साथ मिलकर जागरूकता और समग्र देखभाल सुनिश्चित करने में योगदान दिया। एम्स भोपाल के ट्रांसजेंडर हेल्थ क्लिनिक के नोडल अधिकारी ने कहा, हमारे देश में ट्रांसमैन की आवश्यकताओं को अक्सर ट्रांसवूमन की तुलना में कम पहचाना जाता है। पूर्वाग्रह और सामाजिक कलंक आज भी बड़ी चुनौती हैं। हमें जागरूकता, अधिक शोध और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील चिकित्सकीय प्रोटोकॉल की आवश्यकता है, जिसमें जीवन के वास्तविक अनुभव रखने वाले लोगों की आवाज भी शामिल हो। एम्स भोपाल का यह अग्रणी कदम न केवल ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए चिकित्सकीय सहयोग को मज़बूती देता है, बल्कि समाज में स्वीकृति और समावेशिता की दिशा में प्रेरणा भी प्रदान करता है।

संगठन में अनुशासन सर्वोपरि - कांग्रेस

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्तमान में घोषित जिला एवं शहर अध्यक्षों की नियुक्तियाँ पार्टी हाईकमान के मार्गदर्शन और ए.आई.सी.सी. द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर की गई हैं। यह निर्णय कांग्रेस की लोकतांत्रिक परंपराओं और संगठन सृजन अभियान की प्रक्रिया का हिस्सा है।

डॉ. संजय कामले संगठन प्रभारी महासचिव ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने स्पष्ट कहा है कि कांग्रेस पार्टी में हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी को अपनी भावनाएँ रखने का पूरा अधिकार है, किंतु पार्टी विरोधी गतिविधियाँ अथवा सोशल मीडिया पर संगठन या नेतृत्व के खिलाफ बयान देना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि जिन पदाधिकारियों या कार्यकर्ताओं ने फेसबुक, व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पार्टी अथवा नेतृत्व के खिलाफ बयान दिए हैं, वे तुरंत अपने वक्तव्य हटाएँ और सभी भावनाएं पार्टी के मंच पर ही रखें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के निर्देशानुसार सभी संबंधितों को 24 घंटे की समय सीमा दी गई है। इस अवधि के भीतर यदि पार्टी/नेतृत्व विरोधी पोस्ट या टिप्पणियाँ नहीं हटाई जाती हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. कामले ने कहा -कांग्रेस एक परिवार है और मतभेद संवाद से दूर किए जा सकते हैं। लेकिन संगठन की गरिमा और अनुशासन से कोई समझौता नहीं होगा। कांग्रेस का हर सिपाही भाजपा के खिलाफ संघर्ष और जनता की सेवा के लिए खड़ा है। इसलिए आंतरिक असहमति को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की बजाय संगठन की अनुशासन समिति और प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष के अलावा संगठन प्रभारी महासचिव के समक्ष ही रखा जाए।

ए.टी.एम. तोड़फोड़ कर नकदी चोरी की कोशिश करने वाले चार सदस्यीय गैंग को किया गिरफ्तार

देवास। दिनांक 13-14 अगस्त 2025 की रात अज्ञात व्यक्तियों ने विकासनगर चौराहा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के ए.टी.एम. बूथ में घुसकर मशीन को क्षतिग्रस्त कर नकदी चुराने का प्रयास किया। सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र मय फोर्स के घटना स्थल पहुंचे एवं उक्त घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया । बैंक मैनेजर की रिपोर्ट पर से थाना औद्योगिक क्षेत्र में अपराध क्रमांक 751/2025 धारा 331(4), 305(5), 303(2), 324(4), 62 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा उक्त घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी कर सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक देवास श्री सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र श्री शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य,भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय कर ऑपरेशन त्रिनेत्रम् के तहत लगे 100 से अधिक सीसीटीव्ही कैमरों की जाँच की गई, जिससे आरोपियों के फुटेज प्राप्त हुए। जिन्हें देवास पुलिस द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप कम्युनिटी ग्रुप्स में शेयर किया गया । तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर की सूचना पर से दिनांक 17.08.2025 को चार आरोपियों (जिनमें दो नाबालिक हैं) को पुलिस अभिरक्षा लेकर प्रारंभिक पूछताछ करने पर

उनके द्वारा यूट्यूब वीडियो देखकर चोरी की योजना बनाकर घटना कारित करना स्वीकार किया गया । वे एक दिन पूर्व ही किराये पर कमरा लेकर देवास पहुंचे थे। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त संसाधन बरामद कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है

गिरफ्तार आरोपी

01.विकास उर्फ विक्की पिता केदारमल पाटीदार उम्र 28 साल निवासीगण ग्राम पिपलिया भछोड़ थाना सोनकच्छ जिला देवास ।

02.रामचरण उर्फ भोला पिता कालूजी मोहिल उम्र 25 साल निवासीगण ग्राम पिपलिया भछोड़ थाना सोनकच्छ जिला देवास

03. दो अपचारी बालक ।

सराहनीय कार्य- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र श्री शशिकांत चौरसिया,उनि एस.एस. मीणा,प्रआर सुरेश धाकड़, आर अजय जाट,अर्पित जायसवाल, लक्ष्मीकांत शर्मा एवं सायबर सेल टीम से प्रआर सचिन चौहान,शिवप्रताप सिंह सेंगर की सराहनीय भूमिका रही ।

विज्ञान मंथन यात्रा 2025-26 का शुभारम्भ

प्रदेश के 550 विद्यार्थी देश की आठ उत्कृष्ट वैज्ञानिक संस्थानों का भ्रमण करेंगे

भोपाल। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान भवन में ऑनलाइन विज्ञान मंथन यात्रा 2025-26 का शुभारंभ आज दिनांक 18.08.2025 को किया गया। इस यात्रा में मध्यप्रदेश के कक्षा हवीं एवं 9वीं के विद्यार्थी 18 से 21 अगस्त 2025 तक देश के आठ उत्कृष्ट संस्थानों का ऑनलाइन भ्रमण करेंगे। विज्ञान मंथन यात्रा के लिये मध्यप्रदेश के 555 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

जो आज से आरम्भ हो रहे कार्यक्रम में सहभागी रहे। कार्यक्रम का संयोजन श्री निरंजन शर्मा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी मिशन एक्सीलेंस द्वारा दिया गया। उदघाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मनीष जैन कियेटिव लर्निंग सेन्टर आई. आई.टी गांधी नगर थे। विज्ञान मंथन की रूपरेखा एवं उदेश्य पर डॉ. विवेक कटारे, प्रमुख मिशन एक्सीलेंस द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और

बताया कि परिषद द्वारा विद्यार्थियों के लिये विज्ञान मंथन का आयोजन कई वर्षों से किया जा रहा है। जिसमें कई विद्यार्थी लाभान्वित हुए है। परिषद की नवीन योजना विज्ञान पर्यटन के माध्यम से विद्यार्थियों को इसका लाभ प्रदेश के दूरस्थ अंचल तक पहुंचाया जायेगा। लैब ऑन व्हील के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों में रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अपने उदबोधन में माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दिया जो विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करते रहते है एवं नवीन वैज्ञानिक योजनाओं के द्वारा सतत् मार्गदर्शन दे रहे है। उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. मनीष जैन आई.आई.टी गांधी नगर द्वारा विद्यार्थियों को रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी दी गयी एवं विभिन्न वैज्ञानिक पहेलियों द्वारा विद्यार्थियों से संवाद किया गया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती नीता श्रीवास्तव वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया ।

राखी बंधवाने आया सॉफ्टवेयर इंजीनियर, लौटने से पहले मौत

भोपाल में दोस्तों की आंखों के सामने नहर में डूबा; आज नागपुर जाना था

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रक्षाबंधन पर बहन से राखी बंधवाने आए सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नहर में डूबने से मौत हो गई। वह नागपुर की कंपनी में जॉब करता था। छुट्टी लेकर घर आया था। सोमवार को वापस जाने वाला था।

हादसा रविवार शाम को कोलार क्षेत्र में हुआ। कृष्णा सिंह (27) दोपहर में चार दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने घर से निकला था। कजलीखेड़ा नहर में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गया। देर रात गोताखोरों ने उसका शव बरामद किया। सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद बॉडी परिजन को सौंप दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहन के बुलावे पर घर आया था युवक- कृष्णा सिंह अमराई बागसेवनिया का रहने वाला था। उसने भोपाल से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी। रक्षाबंधन के मौके पर वे घर नहीं आ पाए थे, लेकिन बहन के बुलावे पर 15 अगस्त को नागपुर से भोपाल आए। यहां बहन से राखी बंधवाई। इसके बाद वे भोपाल में ही रहे। सोमवार को उनका रिटर्न टिकट था, लेकिन उससे पहले हादसा हो गया।

विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस पर विशेष

स्माइल प्लीज़ ! - कैमरे की यात्रा

खुमानसिंह चुंडावत

लेखक स्तंभकार हैं।

ज्ञात दुनिया के आरंभ से ही मनुष्य की प्रवृत्ति अपने खूबसूरत क्षणों और कल्पनाओं को संरक्षित करने की रही है। जब कैमरे अस्तित्व में नहीं थे, तब इंसान अपनी भावनाओं और कल्पनाओं को चित्रों के रूप में उतारता था। कैनवास और रंगों में वह अपने मन के मंजर को क़ैद करता, और राजसी जीवन के शासक अपने प्रेम और इच्छाओं को चित्रकारों से उकेरवाते थे। लेकिन यह सब अभी अधूरा-सा था–मानो आकांक्षाओं को पूरा आकार मिलने की प्रतीक्षा हो। कैमरे के आविष्कार ने मानो इंसान की दुनिया का क्षितिज बदल दिया। तस्वीरें केवल यथार्थ को नहीं दिखाती थीं, बल्कि उन्हें और सुंदर, और जीवंत बना देती थीं। इसने मानव जीवन में एक नई क्रांति ला दी। लोग अपने को बेहतर, आकर्षक और अलग ढंग से देखने लगे। कैमरे ने केवल छवि नहीं दी, बल्कि कल्पनाओं को परवाज़ दी।

धीरे-धीरे कैमरे का दायरा बढ़ता गया। डार्करूम की अंधेरी दुनिया से निकली चमकदार तस्वीरों ने इंसानी जीवन को चकाचौंध कर दिया। साठ और सत्तर के दशक तक आते-आते फोटोग्राफ़ी जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी थी। 'स्माइल प्लीज़' अब हर चेहरे की पहचान बन गया था। शायद ही कोई ऐसा रहा हो जो कैमरे के सामने मुस्कुराया न हो। फोटोग्राफ़ी के बढ़ते आकर्षण को व्यावसायिक रूप मिला। होर्डिंग्स पर लिखा जाने लगा -

'यदि आप खूबसूरत नहीं हैं तो हम आपको खूबसूरत बना देंगे, और यदि आप खूबसूरत हैं तो आपकी खूबसूरती को हमेशा के लिए क़ैद कर देंगे।' ऐसे विचारों ने फोटोग्राफ़ी को जन-जन के दिल में बसा दिया। शादियों, जन्मदिनों, सालगिरहों से लेकर राजनीतिक और सामाजिक आयोजनों

तक–हर जगह फोटोग्राफ़र सूची में शीर्ष पर आ गया। यहाँ तक कि विवाह संस्कारों में पंडित और फोटोग्राफ़र का महत्व समानांतर दिखने लगा। जब तक फोटोग्राफ़र 'डन' का संकेत न दे, तब तक अगला संस्कार आगे नहीं बढ़ता! आज कैमरा केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि जीवन का पर्याय बन चुका है। शहर से गाँव तक, हर हाथ में कैमरे की पहुँच ने नई रचनात्मकता और क्रियाशीलता को जन्म दिया है। कभी राजाओं-महाराजाओं का वैभव रहा यह साधन अब आम आदमी की शोभा बन गया है।

दरअसल, कैमरे ने केवल इंसान की छवि नहीं उतारी, बल्कि उसकी कल्पनाओं को आकार दिया है। यह 'छाया' की दुनिया का 'सूरज' है, जो अभी और ऊँचाई पर अपना कोण सेट कर रहा है। सचमुच, कैमरा केवल कैनवास नहीं, बल्कि आकाश है। और इस आकाश की पुकार है - 'स्माइल प्लीज़!'

संक्षिप्त समाचार

जिला जेल में प्रभारी मंत्री के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ जनमाष्टमी पर्व

रायसेन (निप्र)। जन्माष्टमी पर्व पर रायसेन में ग्राम पठारी स्थित जिला जेल में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे तथा श्री राकेश शर्मा उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने जिला जेल में मुलाकात पर आने वाले बंदियों के परिजनों हेतु नव निर्मित प्रतीक्षालय शेड का लोकार्पण किया। उन्होंने जेल परिसर का भ्रमण किया तथा पौधरोपण भी किया। जिला जेल में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया एवं बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान जेल अधीक्षक, जिला जेल रायसेन श्री रामकृष्ण चौरे एवं जेलकर्मी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

विदिशा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास के विभागीय निर्देशानुसार जिले के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढा ने बताया कि इस अवसर पर विशेष सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना, नैतिक मूल्यों का विकास करना और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में बालक-बालिकाओं के लिए बाल श्रीकृष्ण एवं राधा वेशभूषा प्रतियोगिता, मटकी फोड़, कृष्ण जन्म झांकी, भक्ति गीतों पर नृत्य और कहानी वाचन जैसी गतिविधियाँ सम्मिलित रहीं। सभी आयोजन सामूहिक रूप से 3-4 आंगनवाड़ी केंद्रों को जोड़कर संपन्न किए गए, जिससे बच्चों को सामाजिक सहभागिता का अनुभव और सहयोग की भावना विकसित हुई। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण व राधा की वेशभूषा में मंच पर आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। विशेष आकर्षण मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही, जिसमें अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली।इसी क्रम में जिले की सभी परियोजनाओं अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वस्थ्य बालक-बालिका स्पर्धा का भी आयोजन किया गया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने किया स्टेट आईकॉन सारिका घारू को प्रभावशाली जनजागरूकता के लिए सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने स्टेट आईकॉन सारिका घारू को प्रभावशाली जनजागरूकता गतिविधियों के लिए सम्मानित किया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव ने सारिका को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान इंटीग्रेटेड पोंलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर के माध्यम से पंचायत उपनिर्वाचन में प्रभावशाली जनजागरूकता गतिविधियों के लिए दिया गया। इस अवसर पर आयोग के सचिव अभिषेक सिंह, अवर सचिव डॉ. सुते शाक्य, अवर सचिव संजू कुमारी, प्रियंका त्रिपाठी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सारिका ने मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के पेपरलेस इलेक्शन नवाचार को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए फ्लैश मॉब, पपेट शो, लोक नृत्य और गीतों के माध्यम से गतिविधियां कीं। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव और आयोग के सचिव अभिषेक सिंह के निर्देशानुसार सारिका इस वर्ष के अंत में होने वाले पेपरलेस पंचायत उपचुनावों के लिए निरंतर जागरूकता गतिविधियां कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने क्षतिग्रस्त सोयाबीन फसल का खेत में पहुंचकर किया निरीक्षण

किसानों को हर संभव मदद व असरविहिन दवा विक्रय करने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन

विदिशा (निप्र)। केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा जिले के अल्प प्रवास के दौरान विदिशा विकासखण्ड के ग्राम छीरखेड़ा में पहुंचकर किसानो से संवाद कर खरीफ फसलो की जानकारियां प्राप्त की है। इस दौरान गांव वालो ने सोयाबीन की अफलन और असरविहिन दवाओं की शिकायत दर्ज कराई है। केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रवास के दौरान छीरखेडा गांव के किसान श्री भगवान सिंह लोधी के खेत में पहुंचकर दवा छिड़काव से क्षतिग्रस्त हुई सोयाबीन की फसल का मौके पर निरीक्षण किया। स्थानीय किसानबंधुओं ने केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान को फसलो पर कीटनाशक दवा छिडकाव के उपरांत निर्मित स्थितियों की विस्तृत जानकारियां सांझा की है और जिन किसानो की फसल कीटनाशक दवा के छिड़काव से नष्ट हो गई है का निरीक्षण कर किसानो को हर संभव मदद और संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस दौरान किसानों से संवाद करते हुए कहा कि शिकायते मिली थी कि दवा के छिड़काव से किसानों की सोयाबीन की फसल जलकर खाक हो गई है, तो उन्होंने तय किया कि वह स्वयं खेतों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने किसानों और कृषि विभाग के अमले के साथ खेतों का निरीक्षण किया और मौके पर किसानो को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस विषम परिस्थितियों में किसान भाई अपने आपको अकेला ना समझे। पीड़ित किसानो की हर संभव मदद की जाएगी। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस दौरान मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि खेत में सोयाबीन की फसल जलकर नष्ट हो गई है , खेत में सोयाबीन की जगह खरपतवार दिखाई पड़ रही है। किसी कंपनी की दवाई के छिड़काव से यह फसले नष्ट हुई हैं। इसके लिए एक उच्च स्तरीय वैज्ञानिकों का दल खेतों का निरीक्षण करेगा और जिस कंपनी ने ऐसी दवाई छिड़काव के लिए किसानों को दी है। उसके खिलाफ विधि संगत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे और यह कंपनी की भी जिम्मेदारी है। इसलिए उच्च स्तरीय दल खेतों की जांच करेगा और किसानों को न्याय दिलाया जाएगा। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में एक अभियान शुरू होगा ऐसी कंपनियों के खिलाफ जो घटिया नकली और खतरनाक दवाइयां विक्रय करते हैं। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपेडिया ने बताया कि दिल्ली की कीटनाशक दवा निर्माता कंपनी एचपीएम के द्वारा बनाई गई दवा बायोक्लोर निदानाशक दवा बेच नम्बर केई 04 के छिडकाव से फसलो की क्षति हुई हैं कि सूचनाएं पूर्व में प्राप्त हो गई थी ततपश्चात कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशो के परिपालन में जांच पडताल भी की गई और दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज कराने की कार्यवाही की गई है। केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निरीक्षण भ्रमण के दौरान विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि के साथ-साथ स्थानीय गणमान्य नागरिक व कृषकबंधु तथा विदिशा एसडीएम, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक समेत अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

विदिशा में नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत मैराथन का आयोजन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार 24 अगस्त को मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार की प्रात: सात बजे जिला परिवहन कार्यालयविदिशा से शुरू होकर उदयगिरि पहुंचेगी वहां से पुन: आरटीओ कार्यालय में संपन्न होगी।कुल दूरी लगभग 12 किलोमीटर निर्धारित की गई है।इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए पृथकदृपृथक पुरस्कार रखे गए हैं तदानुसार प्रथम पुरस्कार दस हजार रुपए,द्वितीय पुरस्कार पांच हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार तीन हजार रुपए प्रदाय किए जाएंगे।

जवाहर नवोदय स्कूल में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के श्यामपुर स्थित जवाहर नवोदय स्कूल में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में सत्र 2026-27 चयन परीक्षा के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो गए है। यह प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी जिसका आवेदन नवोदया विद्यालय समिति की बेवसाईट 222 ठ्ठड्ड1श्रस्रड्ड4ड्ड.द्दश1.द्बठ्ठ पर दिये गये लिंक के माध्यम से किए जा सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2025 है। कक्षा 9वीं में पंजीयन के लिए अभ्यर्थी की जन्म तारीख 01 मई 2011 से 31 जुलाई 2013 के बीच होना चाहिए। इसी प्रकार कक्षा 11वीं में पंजीयन के लिए अभ्यर्थी की जन्म तारीख 01 जून 2009 से 31 जुलाई 2011 के बीच होना चाहिए।

सीहोर में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने की भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना

भगवान श्रीकृष्ण का गीता ज्ञान हमें कर्म का मार्ग दिखाता है - राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित जगदीश मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर श्री कृष्णा पर्व एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा शामिल हुए और भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना की। इस दौरान विक्रमादित्य शोधपीठ उज्जैन की ओर से आए भजन गायक श्री अनुराग त्रिपाठी द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर केंद्रित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, कर्तव्य और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। हमें उनके जीवन से यह सीख लेनी चाहिए कि जीवन के हर संघर्ष का समाधान धैर्य, नीति और प्रेम से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण केवल एक भगवान नहीं, बल्कि एक जीवन शैली हैं, जिनके हर चरण में प्रेम, करुणा, धर्म और निष्काम कर्म का संदेश छिपा है। उनका जीवन हमें कर्मयोग और न्याय की राह दिखाता है। आज के समय में अनेक चुनौतियों और संकटों का सामना करने में गीता ज्ञान हमारा मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर पर श्री सन्नी महाजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे।

जन्माष्टमी के अवसर पर पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में कृष्ण महोत्सव आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्राचार्य डॉक्टर रोहिताश्व कुमार शर्मा ने कहा कि यदि हमारा प्रत्येक कदम सही और सच्चा होगा, हम कर्म में ही आनंद का अनुभव करेंगे तो यह निश्चित है की प्रकृति हमें उतने ही सच्चे परिणाम देगी और जीवन में सफलता हर कदम पर साथ रहेगी। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के भजन, गीत तथा नृत्यों की प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम में डॉ तृप्ता झा, डॉ शीलचंद्र गुप्ता सहित शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।

आर्मी भर्ती रैली 22 अगस्त से दो सितंबर तक 15 जिलों के अभ्यर्थी शामिल होंगे

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में बाईस अगस्त से दो सितंबर तक आयोजित होने वाली आर्मी रेली भर्ती रैली का आयोजन व प्रदाय सुविधाओं सहित अन्य बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति समयावधि में संबंधितों को मिले इसके लिए क्रियान्वित विभागों के अधिकारियों को विशेष निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

अग्निवीर सेना भर्ती रैली आयोजन अवधि 20 अगस्त से 02 सितंबर तक अभ्यार्थियों के लिये आवश्यक स्टाप पेपरों की प्राप्ति निर्धारित दरों पर हो सकें इसके लिए वरिष्ठ जिला पंजीयक श्रीमती क्षिप्रा सेन द्वारा पहल की गई है। विभाग से संबंधित सुलभ सेवा अभ्यार्थियों को उपलब्ध कराने के लिये निर्देशों के अनुपालन में उप पंजीयक विदिशा श्री अनिल अहिरवार 9200189879 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।सहयोग के लिए सहायक ग्रेड- तीन श्री हरीश घेघट 9691523130 कर्तव्यरत् रहेंगे।

वरिष्ठ जिला पंजीयक श्रीमती क्षिप्रा सेन ने बताया कि संपूर्ण आर्मी भर्ती रैली अवधि के दौरान अभ्यर्थियों को स्टाप पेपरों की उपलब्धता के लिएजिला खेल परिसर (स्टेडियम) विदिशा में नाम दर्ज स्टांप पेपर विक्रय हेतु 6 मुद्रांक विक्रेता को लिखित आदेश के तहत निर्धारित दरों पर विक्रय हेतु तैनात किया गया है उनमें श्री मनोज गर्ग 9827216023, श्री मोकम सिंह पंथी 9926376223, श्री विनोद दांगी 9009150201,श्री बी.आर.राय 9425957850,श्री रियाज कुरैशी 7869402624, श्री पुष्पेन्द्र 8085672304 शामिल हैं।

बैतूल में चाकूबाजी का आरोपी गिरफ्तार

पैसों के विवाद में व्यक्ति पर किया था हमला, पीड़ित की हालत गंभीर

बैतूल (निप्र)। बैतूल पुलिस ने 11 अगस्त की रात हुए जानलेवा हमले के मामले में 43 वर्षीय आरोपी रमेश मालवीय को गिरफ्तार कर लिया। ग्राम रावनवाड़ी और राठीपुर के बीच पुलिया पर पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान आरोपी ने परसराम पर चाकू से हमला कर दिया।

आरोपी से बरामद हुआ चाकू

16 अगस्त को पुलिस ने आरोपी रमेश मालवीय को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल लोहे का चाकू भी बरामद कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस टीम की भूमिका

पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नीरज पाल, एएसआई राममूरत वर्मा और आरक्षक शिवशंकर देवड़ा, अनिरुद्ध, नवीन और दीप शामिल रहे।

पीड़ित को भोपाल रेफर किया गया

हमले में परसराम के पेट, नाक और बाएं हाथ पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें पहले जिला अस्पताल बैतूल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने भोपाल रेफर कर दिया।

अरमान धरे की धरे रह गए, कवायद भी गई बेकार

राज्य सरकार के एक कद्दावर मंत्री के अरमान धरे की धरे रह गए। मंत्री ने अरमान पूरा करने के लिए पुरजोर कोशिश की, लेकिन उनकी कवायद भी पूरी नहीं हो सकी। दरअसल, मंत्री को एक खास जिले में 15 अगस्त का ध्वजारोहण करना था लेकिन सरकार ने उनकी ड्यूटी प्रभार वाले जिले में लगा दी। मंत्री को

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

सरकार की यह जमावट समझ नहीं आई और उन्होंने खास जिले में ही झंडावंदन करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए। एक-दो मंत्रियों के ध्वजारोहण के प्रभार वाले जिले तो सरकार ने परिवर्तित कर दिए। लेकिन कद्दावर मंत्री को उस जिले में ध्वजारोहण का अवसर नहीं मिला जहां वह करना चाहते थे। इधर सरकार ने कद्दावर मंत्री की मांग को कुछ हद तक स्वीकार किया और उनको पास के एक जिले में ध्वजारोहण के लिए मंजूरी दे दी। सूत्र बताते हैं कि उक्त खास जिले में संभवतः 15 अगस्त को पहली बार राज्य सरकार के किसी मंत्रिमंडल के सहयोगी सदस्य ने नहीं बल्कि जिला कलेक्टर ने ध्वजारोहण किया।

मछली गैंग का आका कौन ?

मछली गैंग की सुर्खियां कम नहीं हो रही है। मछली गैंग का आका कौन है ? इसको लेकर भी जबरदस्त चर्चा है। सूत्र बताते हैं की मछली गैंग को कांग्रेस और भाजपा की सरकारों ने समय-समय पर पाला है। यही वजह है की मछली गैंग का सरगना आज भी पर्दे के पीछे है और सामने चाचा भतीजे। सूत्र बताते हैं की मछली गेग का सूत्रधार तो कांग्रेस सरकार में ही रातों-रात पनपा था और सरकार के उपक्रम मत्स्य महासंघ पर कब्जा कर लिया। लेकिन 2003 के बाद जब सत्ता बदली तो सूत्रधार ने अपनी आस्था बदल ली और भाजपा के कद्दावार नेताओं के शरण में चला गया। कांग्रेस सरकार में तो आका, मत्स्य महासंघ की हर फाइल को अपनी इच्छा के अनुसार बढ़ता था। हालत यह थे कि महासंघ के अध्यक्ष का काम खुद आका करता था। आका ने बाद में चाचा भतीजा के सहारे काफी पैसा कमाया जो देश की सरहदों से बाहर सऊदी अरब देशों में प्रॉपर्टी बनाने का जरिया बनी। महासंघ के कर्मचारी अधिकारी आज भी आका की दादागिरी की चर्चा करते हैं। बता दें मछली गैंग का आका एक मंत्री का खास है और मंत्री संकट में।

नेता जी परिदृश्य से गायब

प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा के साथ ही प्रदेश का एक प्रभावी सांसद राजनीतिक परिदृश्य से एकदम गायब हो गया। नेता जी के समर्थकों ने भी अब वक्त के साथ पाला बदल लिया हैं। सूत्र बताते हैं कि उच्च स्तर से ही नेता जी को तवज्जो नहीं दिए जाने के निर्देश हैं। इससे नेता जी भी अवगत हो गए है। यही कारण है कि नेता जी भोपाल आकर अब शांति से प्रवास कर क्षेत्र की ओर रूख कर लेते है जिन्होंने पहले कभी क्षेत्र को समर्थकों के भरोसे छोड़ रखा था। पिछले दिनों भोपाल के एक पदाधिकारी समर्थक ने नेता जी को बड़े ही सोच विचार कर एक कार्यक्रम में बुलाया कि कहीं उन पर गाज न गिर जाए ? खैर आपको बता दें कि एक वक्त नेता जी की तूती बोलती थी। नेता जी बुंदेलखंड के हैं और इसी नाम से निर्मित एक गेस्ट हाउस के पास निवास करते हैं।

राय शुमारी से मंत्री-विधायक नदारद?

प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश व जिला कार्यसमितियों और निगम मंडल में नियुक्तियों को लेकर रायशुमारी के लिए जिला प्रभारी क्या नियुक्त किए मंत्रियों व विधायकों को नागवार गुजरा है। रायुशुमारी के प्रभारियों ने अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंप दी है रिपोर्ट में बताया है कि कई जिलों के मंत्री व विधायक रायशुमारी से गायब रहे। बार बार बुलाने पर भी नहीं आए। बड़े जिलों में यह समस्या ज्यादा रही। अध्यक्ष का मकसद पूरा हो या नहीं, लेकिन ताजपोशी की उम्मीद जगाए भाजपाई कहने लगे हैं कि रायशुमारी केवल औपचारिकता है नाम पहले से तय हैं।

सीएस को लेकर कयासों का दौरा

प्रदेश के मुख्य सचिव को लेकर चर्चाओं दौर मंत्रालय में चल रहा है लेकिन मुख्य सचिव अनुराग जैन के कार्यकाल में वृद्धि की भी चर्चा है। श्री जैन का अगस्त माह में कार्यकाल पूरा हो रहा है। वहीं पिछले दिनों मुख्य सचिव श्री जैन दिल्ली का दौरा करके लौटें है और आश्वस्त हैं । वहीं मुख्य सचिव के लिए वरिष्ठ आईएएस राजेश राजौरा के नाम की भी चर्चा है। दिल्ली में पदस्थ एक सीनियर आईएएस का नाम भी प्रमुखता से लिया जा रहाहै ।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्य सचिव ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल का मुख्य सचिव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

शुरू होगा वर्षा का पांचवां दौर

ज्योतिष गणना में दिख रहे अतिवृष्टि के संकेत जंबूक वाहन पर सवार होकर बरसेगी बारिश

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में सोमवार 18 अगस्त से वर्षा का पांचवां चरण शुरू होने जा रहा है। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक इस बार वर्षा मघा नक्षत्र में प्रवेश करेगी। वर्षा के कुल आठ नक्षत्र माने जाते हैं, जिनमें यह पांचवां है। ज्योतिषाचार्य पंडित विनोद गौतम के अनुसार सोमवार शाम 4:10 बजे सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करेंगे और इसी के साथ मघा नक्षत्र पर वर्षा का आरंभ होगा।

मघा नक्षत्र को ज्योतिष शास्त्र में योग कारक नक्षत्र कहा गया है। इस दौरान सूर्य-चंद्र योग तथा संज्ञा स्त्री-पुरुष नक्षत्र की स्थिति बनने से श्रेष्ठ वर्षा के योग बन रहे हैं। इस नक्षत्र का वाहन इस बार जंबूक (सियार) रहेगा। जंबूक वाहन को प्रचुर वर्षा का सूचक माना गया है। इसका अर्थ है कि इस दौरान प्रदेश में बारिश का वेग और बढ़ेगा। हालांकि, पंडित गौतम ने यह भी चेताया है कि कहीं-कहीं अत्यधिक वर्षा से जन-धन की हानि की संभावना भी बनी रहेगी।

31 अगस्त तक होगी वर्षा

उन्होंने बताया कि मघा नक्षत्र में वर्षा 31 अगस्त तक जारी रहेगी। इसके बाद वर्षा का क्रम तीन और नक्षत्रों पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी और हस्त नक्षत्र में आगे बढ़ेगा। इस अवधि में भी मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। खगोल और पंचांग की गणना के अनुसार वर्षा के हर नक्षत्र का अपना प्रभाव होता है।

अब तक चार नक्षत्र पूरे हो चुके हैं और पांचवें नक्षत्र मघा के साथ बारिश का चरम दौर शुरू होगा। मघा नक्षत्र को खासतौर पर समृद्धि और उर्वरता से जोड़ा जाता है। यही कारण है कि इस अवधि में खेतों को भरपूर पानी मिलने के योग बन रहे हैं, जिससे किसानों को भी राहत मिलने की संभावना है।

मांस से भरा लोडिंग ऑटो पकड़ाया

बजरंग दल कार्यकर्ताओं का हंगामा, नारेबाजी कर रहे, एक संदेही को पुलिस के हवाले किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग इलाके के कम्मू के बाग से बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मांस से भरा एक लोडिंग ऑटो पकड़ा है। इस दौरान एक संदिग्ध युवक भी पकड़ा गया, जिसे पकड़कर कार्यकर्ताओं ने पुलिस के हवाले कर दिया है।

मौके पर पहुंचे बजरंग दल के कार्यकर्ता नारेबाजी और हंगामा कर रहे हैं। उनका आरोप है कि ये गौ मांस है। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में अमन लाला नाम के व्यक्ति पर गोकशी का आरोप सामने आ रहा है। अमन लाला कौन है, पुलिस इसका पता लगा रही है। एसीपी बिट्टू शर्मा के मुताबिक मांस से भरे एक वाहन को पकड़कर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी। एक संदेही को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

बैतूल के पूर्व सांसद सुभाष आहूजा का निधन

27 साल की उम्र में बने थे देश के सबसे युवा सांसद ; आपातकाल में 19 महीने जेल में रहे

बैतूल (नप्र)। बैतूल में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद सुभाष आहूजा का सोमवार को सुबह 3.35 बजे निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

आहूजा 75 साल के थे। उनकी अंत्येष्टि में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर शामिल होंगे। वहीं भारत भारती में चल रहे प्रचारक वर्ग में मौजूद प्रदेश संगठन महामंत्री हीतानंद शर्मा के भी शामिल होने की संभावना है।

आहूजा की अंतिम यात्रा उनके निवास ताप्ती टावर, कॉलेज रोड, बैतूल से निकलेगी। उनकी पार्थिव देह आज शाम साढ़े 4 बजे भाजपा कार्यालय विजय भवन पर अंतिम दर्शन के लिए रखी जाएगी, जहां भाजपा कार्यकर्ता और आमजन श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार गंज मोक्षधाम पर किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने बताया कि जिले के सभी विधायक भी अंतिम यात्रा और श्रद्धांजलि सभा में शामिल होंगे।

छिंदवाड़ा का मॉडल अब पूरे प्रदेश में लागू होगा : 'वॉव' मॉडल

टॉयलेट की ऑनलाइन सफाई, 10 माह में 35 लाख की कमाई

भोपाल/छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा का टॉयलेट क्लीनिंग मॉडल अब जल्द पूरे मध्य प्रदेश में लागू होने जा रहा है। किसी भी स्कूल, आंगनवाड़ी या संस्था का शौचालय गंदा मिला तो उसका प्रभारी ऑनलाइन बुकिंग कर इसकी सफाई करवा सकेगा। बुकिंग होते ही प्रशिक्षित स्वच्छता साथी मौके पर पहुंचकर मशीनों से सफाई करेगा। इसके बदले 200 से 250 रुपए शुल्क लगेगा। निजी शौचालय की सफाई पर 50 रुपए तय हैं।

खास बात यह है कि सफाई के साथ-साथ स्वच्छता साथी वॉश एम्बेसडर बनकर स्कूलों में छात्रों को 10-15 मिनट तक स्वच्छता पर जागरूक भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने पिछले दौरे पर इस मॉडल की सराहना कर चुके हैं। पिछले 10 महीनों में छिंदवाड़ा और पांढुर्ना में शुरू हुई 'स्वच्छता साथी वॉश ऑन व्हील्स (वॉव) सर्विस को 38 हजार से ज्यादा बुकिंग मिलीं।

इनमें 11 हजार संस्थागत व 27 हजार व्यक्तिगत टॉयलेट थे। इससे 35 लाख रुपए की आय हुई। विभाग के मुताबिक, हर स्वच्छता साथी को महीने में औसतन 25-30 हजार रुपए की आमदनी हो रही है, जबकि खर्च सिर्फ 3 से साढ़े 3 हजार रु. आता है। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने यह मॉडल बनाया था।

उनका कहना है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पूरे प्रदेश में इसे लागू करने के लिए एक कमेटी बनाई है। अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार करेंगे। इसकी बैठक जल्द भोपाल में होने वाली है। एक एप भी बनाया जाएगा।

सिर्फ स्कूटी-मोबाइल हो तो बन सकते हैं सफाई मित्र

कैसे शुरू हुआ-गांवों में बने स्कूल, आंगनवाड़ी और सामुदायिक शौचालय लंबे समय तक साफ नहीं होते थे। कई जगह तो उपयोग ही बंद हो गया था। ओडीएफ घोषित होने के बाद भी चुनौती थी कि शौचालय नियमित साफ रहें। ऐसे में जिला पंचायत ने 26 सितंबर 2024 को छिंदवाड़ा में वॉश ऑन व्हील्स (वॉव) की शुरुआत की। पंचायत ने 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड, ग्राम पंचायत विकास योजना और स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के आईईसी फंड से फंड लिया। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन व सीएसआर से भी सहयोग लिया।

कैसे बनते हैं स्वच्छता साथी?

सफाईकर्मी के पास सिर्फ दोपहिया बाइक और मोबाइल होना जरूरी है। उन्हें सफाई के लिए बैटरी से चलने वाले प्रेशर वॉशर, सुरक्षा किट (ग्लव्स, मास्क, गमबूट), ब्रश, वाइपर और क्लीनिंग सामग्री पंचायत मुहैया कराती है। इसके लिए 10 ग्राम पंचायतों का क्लस्टर बनाकर सफाई मित्र चुने गए हैं। ट्रेनिंग के बाउ रूट तय हुए। सरपंच व स्कूल प्रमुखों के साथ एग्रीमेंट किया गया है। अभी 40 स्वच्छता साथी छिंदवाड़ा-पांढुर्ना में काम कर रहे हैं।

बुकिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। पेमेंट के लिए सभी जगह क्यू-आर कोड है।

दूरी के हिसाब से शुल्क तय है। 5 किमी तक 200 रु., इससे ज्यादा पर 250 रुपए लगता है।

रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा का पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप

बोले- उनके जमाने में एक कमरे में 1000 वोट होते थे

रीवा (नप्र)। देशभर में मतदाता सूची में अनियमितताओं और फर्जी वोटिंग को लेकर उठते सवालों के बीच, रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा का एक बयान सामने आया है। इसमें उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पर फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया है। इसे लेकर पीसीसी चीफ ने भी तंज कसा है।

सांसद मिश्रा ने रविवार को एक सभा में कहा कि श्रीनिवास तिवारी के जमाने में एक कमरे में 1000 वोट होते थे, और उन्होंने यह आरोप दो बार दोहराया। उन्होंने दावा किया कि तिवारी फर्जी वोटिंग से चुनाव जीता करते थे।

सोमवार को यह वीडियो सामने आते ही रीवा की राजनीति में हलचल मच गई। सांसद मिश्रा पहले भी स्वर्गीय श्रीनिवास तिवारी को लेकर बयान दे चुके हैं। हालांकि उनके बयान से पिछली बार भाजपा के ही विधायक सिद्धार्थ तिवारी बेहद नाराज हो गए थे। पार्टी फोरम में सांसद की शिकायत भी की थी। श्रीनिवास तिवारी 1993 से 2003 तक मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष थे।

ओवरब्रिज उद्घाटन कार्यक्रम में हुआ था टकराव- बता दें कि यह विवाद पहली बार नहीं है। इससे पहले भी 2024 में सुभाष चौराहे पर ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में भी सांसद मिश्रा ने कहा था कि जब श्रीनिवास तिवारी यहां के नेता थे, तब गड्ढों में सड़क हुआ करती थी। उन्होंने यह भी कहा कि तिवारी कुछ नहीं कर पाए, फिर भी लोग उन्हें 'दैयू' (भगवान) कहा करते थे। उस वक्त भी विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने इस टिप्पणी को अनुचित बताया था।

सिद्धार्थ तिवारी रीवा से भाजपा विधायक हैं और श्रीनिवास तिवारी के पोते हैं। इससे पहले भी उन्होंने सांसद के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

पानी की टंकी के लिए बनाई जा रही दीवार अचानक ढही, तीन मजदूरों की मौत

भोपाल/इंदौर (नप्र)। मप्र इंदौर में सोमवार दोपहर राऊ क्षेत्र के बिजलपुर इलाके में दर्दनाक हादसा हो गया। शिव सिटी कॉलोनी में पानी की टंकी के लिए बनाई जा रही दीवार अचानक ढह गई, जिसमें दबकर तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक नाबालिग बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश के बीच निर्माणाधीन दीवार का बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। मलबे में दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन जब तक मदद पहुंची, तीनों ने दम तोड़ दिया। घटना का सबसे पहले पता वहां काम कर रहे जेसीबी ड्राइवर को चला। उसने तुरंत ठेकेदार और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने कहा मृतकों की पहचान गौतम राठौर (25), रामेश्वर (55) और टीटू (20) के रूप में हुई है। वहीं, सोहन (18) नाम का किशोर घायल है, जिसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। हादसे की खबर मिलते ही राजेंद्र नगर और राऊ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, मृतक गौतम राठौर के परिवार में पिता, एक छोटा भाई और दो बहनें हैं। पिता भी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वहीं, 55 वर्षीय रामेश्वर के परिवार की हालत भी बेहद कमजोर बताई जा रही है। उनकी पत्नी काफी समय पहले घर छोड़कर जा चुकी है। बेटी अपनी मां के साथ रहती है, जबकि बेटा रामेश्वर के साथ ही रह रहा था। तीसरे मृतक टीटू की उम्र लगभग 20 साल है।राऊ क्षेत्र में हुए हादसे को लेकर पटवारी देवराज दांगी ने जानकारी दी कि घटना में तीन लोग घायल हुए हैं, जबकि तीन लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी घायलों की अस्पताल से पूरी रिपोर्ट ली जाएगी। कॉलोनी का नाम स्मार्ट सिटी बताया जा रहा है और यहां दीवार बिना कॉलम के खड़ी की गई थी। पटवारी ने कहा कि निर्माण कार्य में नियमों का पालन हुआ है या नहीं, इसकी गहन जांच की जाएगी। साथ ही, कॉलोनी के मालिक और संबंधित दस्तावेजों की भी पड़ताल होगी। उन्होंने कहा कि यदि सेफ्टी मानकों का पालन नहीं पाया गया, तो नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीआई ने व्यापारी को पुलिसकर्मियों से पिटवाया, वीडियो बनाया

नरसिंहपुर में लोगों ने थाना घेरा, व्यापारी बोले- दोषियों पर कार्रवाई होने तक मंडी रहेगी बंद

नरसिंहपुर (नप्र)। नरसिंहपुर जिले के करेली में एक व्यापारी को पुलिस जवानों ने मिलकर पीटा। लातें मारी, घसीटा भी। व्यापारी का पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने को लेकर थाना प्रभारी प्रियंका केवट से विवाद हुआ था। आरोप है कि टीआई ने उसे पिटवाया और खुद इसका वीडियो भी बनाया।

मामला सोमवार सुबह का है। स्थानीय व्यापारी राजन यादव बैंक गए थे। पिटाई के वीडियो सामने आने के बाद पीड़ित के परिजन समेत हजारों लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। व्यापारी एसोसिएशन ने कहा कि जब तक

दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, मंडी बंद रहेगी।

वीडियो बनाते नजर आ रही टीआई- वीडियो में पुलिसकर्मी व्यापारी को पीटते नजर आ रहे हैं। उसे लातें मार रहे हैं। घसीटते और पटकते हुए पीट रहे हैं। पास ही में खड़ी टीआई ने अपना मोबाइल निकाला और इसका वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

नहीं होगी अनाज की खरीदी और बिक्री- ग्रैंड मर्चेंट एसोसिएशन ने भी इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है। एसोसिएशन ने घोषणा की है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, मंडी में अनाज की खरीदी और बिक्री बंद रहेगी। थाने में पूर्व विधायक संजय शर्मा भी पहुंचे हैं, वहीं स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। थाने पर बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा जारी है।

भोपाल के हाई प्रोफाइल जुए के अड्डे पर रेड

आठ आरोपी गिरफ्तार, पौने दो लाख रुपए कैश-स्कॉर्पियो और अवैध शराब जब्त

भोपाल (नप्र)। भोपाल की टीला जमालपुरा पुलिस ने हरि मजार इलाके में हाई प्रोफाइल जुआ अड्डे पर छापा मारा और आठ जुआरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी होशंगाबाद जिले से जुआ खेलने भोपाल आए थे। पुलिस ने उनकी स्कॉर्पियो को जब्त किया है। स्कॉर्पियो की तलाशी में बड़ी मात्रा में अवैध शराब मिली है। आरोपियों के पास से अवैध हथियार भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार सभी बदमाश पुराने अपराधी हैं।

टीआई डीपी सिंह के मुताबिक कुख्यात अपराधी मनीष नांदेड़ अपने गिरोह के सात सदस्यों के साथ जुआ खेलने भोपाल आया है। इस बात की पुख्ता सूचना आरोपियों के करीबी मुखबिर से मिली थी। सूचना के बाद घेराबंदी कर हरि मजार इलाके से रविवार-सोमवार की दरमियानी रात आरोपियों को गिरफ्तार किया। मनीष सहित उसके सातों साथियों पर पूर्व में कई अपराध दर्ज हैं।